हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● रविवार, 16 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 90 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

आपदा हमें आगे बढ़ने के लिए नये रास्ते बताती है। आपदा को सकारात्मक रूप से लिया जाये, तो यह आपको हमेशा पहले से बेहतर बना देगी।

08

सलमान की किसी का भाई किसी की जान विवादों में फंसी

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	60,431.00
निफ्टी	:	17,828.00

सर्राफा

सोना	:	5,655
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

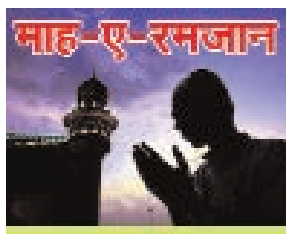

इफ्तार (रविवार) : 06.11
सेहरी (सोमवार) : 04.08

ब्रीफ न्यूज

60-40 नियोजन नीति के विरोध में 17 अप्रैल को सीएम आवास का घेराव

दुमका : हेमंत सरकार के 60-40 नियोजन नीति के विरोध में संथाल एकेडमी सभागार में सिदो कान्हू मुर्मू विवि छात्र समन्वय समिति की प्रमंडल स्तरीय बैठक शनिवार को आयोजित हुई। इसमें नियोजन नीति के विरोध में तीन दिवसीय आंदोलन की रूप-रेखा पर चर्चा हुई। नियोजन नीति के विरोध में 17 अप्रैल से 72 घंटे का आंदोलन एसकेएमयू छात्र समन्वय समिति एवं झारखंड स्टेट स्टुडेंट यूनियन के अपील पर आहूत है। इसमें 17 अप्रैल मुख्यमंत्री आवास घेराव, 18 अप्रैल को राज्य के सभी 24 जिलों में मशाल जुलूस एवं 19 अप्रैल को झारखंड में चक्का जाम कार्यक्रम निर्धारित है। बंदी में अपातकालीन सेवा, एम्बुलेंस सेवा,प्रेस-मीडिया, बराती गाड़ी, पुलिस प्रशासन की गाड़ी, अग्निशमन सेवा, दूध वाहनों की छूट होगी। बाकी सभी आवागमन बाधित रहेंगे।

गुमला जिले को मिलेगा पीएम अवार्ड, प्रधानमंत्री 21 अप्रैल को करेंगे पुरस्कृत

गुमला : हर वर्ष सिविल सर्विस डे पर प्रदान किए जाने वाले अति प्रतिष्ठित पीएम अवार्ड के लिए गुमला जिले का आधिकारिक चयन हुआ है। लोक प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री के हाथों मिलने वाला यह अवार्ड गुमला जिले को मिलने की सूचना पर जिले की पूरी टीम एवं यहां के नागरिकों में काफी हर्ष का माहौल है। चयन की आधिकारिक सूचना मिलने पर उपायुक्त सुशांत गौरव ने बधाई दी है।अवार्ड आगामी 21 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उपायुक्त सुशांत गौरव ग्रहण करेंगे। यह पहला मौका है जब झारखंड के किसी जिले को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। पिछले एक वर्ष के अपने कार्यकाल में ही उपायुक्त सुशांत गौरव के प्रयासों से कई बेहतरीन कार्यों को गुमला में धरातल पर उतारा गया है।

सुजोक थेरेपी के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता : रामनाथ कोविंद

देहरादून : उत्तराखंड भ्रमण पर आए भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राजभवन स्थित मृत्युंजय पंचकर्म केन्द्र का भ्रमण कर पंचकर्म चिकित्सा पद्धति से सम्बंधित जानकारी ली। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने इस केन्द्र को बनाये जाने के लिए राज्यपाल के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद उन्होंने सुजोक थेरेपी के सम्बन्ध में भी स्माइल सुजोक के डा. मिनचुल पार्क और डा. सुभाष चौधरी से जानकारी ली और कहा कि इस थेरेपी को ज्यादा से ज्यादा प्रचारित किये जाने की जरूरत है। इससे पूर्व राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शनिवार को राजभवन स्थित राज प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की।

पत्रकार बनकर आए तीन अपराधियों ने अतीक और भाई अशरफ को मारी गोली

धार्मिक नारा लगाते हुए दिया घटना को दिया अंजाम, पुलिस के समक्ष तीनों ने किया सरेंडर

एजेंसी, प्रयागराज।

माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की शनिवार रात प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस उन्हें अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के लिए ले जा रही थी। पत्रकार साथ-साथ चलते हुए अतीक से सवाल कर रहे थे। इसी बीच तीन युवक मीडियाकर्मी बनकर पुलिस का सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए आए और अतीक के सिर में गोली मार दी। इसके बाद अशरफ पर फायरिंग की। दोनों वहीं ढेर हो गए। गोली मारने के दौरान अपराधी धार्मिक नारे लगा रहे थे। इस हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। तीनों हमलावरों ने सरेंडर कर दिया है। हमलावरों की पहचान लवलेश, सनी और अरुण मौर्य के नाम से हुई है। उनके पास से मीडिया कार्ड, कैमरा और माइक भी मिला है। इस हमले में कॉन्स्टेबल मानसिंह को भी गोली लगी है, जिसे अस्पताल ले जाया गया है। हमले के तुरंत बाद यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार सीएम योगी से मिलने पहुंचे। सीएम योगी ने सभी बड़े अधिकारियों को बैठक के लिए बुलाया था। बैठक के बाद सीएम योगी ने तीन सदस्यीय न्यायिक जांच कमेटी का गठन करने का निर्देश दिया है।

तस्वीर हत्या से तुरंत पहले की है, अतीक और उसके भाई अशरफ को अस्पताल ले जाती पुलिस ● एजेंसी

सुरक्षा में तैनात 17 पुलिसकर्मी सस्पेंड प्रयागराज में धारा 144 लागू, इंटरनेट बंद

अतीक की सुरक्षा में तैनात 17 पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिया गया है। प्रयागराज में धारा 144 लागू कर दी गई है और इंटरनेट बंद कर दिया गया है। घटनास्थल पर फॉरेंसिंक टीम और स्पेशल वेपन्स ऐंड टैक्टिक्स टीम पहुंची हैं। संवेदनशील इलाकों में रैफ (रैपिड एक्शन फोर्स) की तैनाती की जा रही है। अतीक अहमद और अशरफ को प्रयागराज की सीजेएम कोर्ट ने 13 से 17 अप्रैल तक के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा था। 13 की रात यानी गुरुवार को ही यूपी पुलिस और अळर ने दोनों से पूछताछ शुरू की। ये पूछताछ 23 घंटे तक चली थी। दोनों से करीब 200 सवाल पूछे गए थे। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान अतीक ने कबूला था कि वह पाकिस्तान से हथियार की सप्लाई लेता रहा है। अहमदाबाद जेल से उसने आईएसआई एजेंट को फोन किया था। यही नहीं, अतीक ने उमेश पाल हत्याकांड की साजिश का भी जुर्म कबूल किया। अशरफ ने पुलिस को बताया कि किसी चैनल से हथियार पंजाब के एक फॉर्म हाउस तक पहुंच जाते थे। पूछताछ के दौरान अतीक गिड़गिड़ाता रहा। वह बेटे के जनाजे में शामिल होने की मिन्नतें करता रहा। इसी दौरान अतीक की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद अतीक और अशरफ को एक ही हथकड़ी में प्रयागराज के कॉल्विन हॉस्पिटल लाया गया।

हत्या के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट

प्रयागराज में माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। संवेदनशील और अति संवेदनशील जिलों में पुलिस ने गश्ती बढ़ा दी है। प्रदेश के सभी जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रयागराज में माफिया अतीक और उसके भाई को उस वक्त मार दिया गया, जब पुलिस उन्हें अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के लिए ले जा रही थी। इस मामले में तीन लोग गिरफ्तार कर लिए गए है। माफिया बदर्स की हुई हत्या के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। प्रयागराज के अलावा लखनऊ, अयोध्या कानपुर, गोरखपुर सहित सभी जनपदों के पुलिस अधिकारियों, पुलिस आयुक्तों को जिलों में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए निर्देश दिए गए है। साथ ही संवेदनशील और अतिसंवेदनशील जनपदों में सुरक्षा बढ़ाते हुए पुलिस गश्त करने को कहा गया है।आपको बता दें कि दोनों माफिया भाइयों की हत्या के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर उच्च स्तरीय लेवल बैठक बुलाई। इसमें प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी आरके विश्वकर्मा, स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार एवं अन्य अफसर मौजूद हैं।

गुरुवार को झांसी में हुआ था अतीक के बेटे और शूटर गुलाम का एनकाउंटर

माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम का गुरुवार दोपहर साढ़े 12 से एक बजे के बीच झांसी में एनकाउंटर हुआ था। यूपी एसटीएफ की एक टीम उमेश पाल हत्याकांड के शूटर्स की लोकेशन मिलने के बाद बुधवार को झांसी पहुंची थी। एसटीएफ को शुरूआती जानकारी गुड्डू मुस्लिम के छिपे होने की मिली थी। गुड्डू मुस्लिम तो एसटीएफ के हाथ नहीं लगा, लेकिन असद और गुलाम एसटीएफ के हत्थे चढ़ गए। असद और गुलाम की लोकेशन मिलने के बाद एसटीएफ दोनों को जिंदा पकड़ना चाहती थी, लेकिन उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में दोनों मारे गए। असद को दो, जबकि गुलाम को एक गोली लगी। शनिवार सुबह 10 बजे असद को प्रयागराज के कब्रिस्तान में दफनाया गया। झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। जिला मजिस्ट्रेट ने जांच के आदेश जारी करते हुए नगर मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव को जांच अधिकारी नामित किया है।

बोकारो में असामाजिक तत्वों ने तोड़ी मूर्ति, लोगों में आक्रोश

काशियाटांड़ स्थित मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति व मौके पर पहुंची पुलिस

वरीय संवाददाता, बोकारो।

बोकारो के माराफारी थाना अंतर्गत काशियाटांड़ में मौजूद मंदिर में असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की। मंदिर में स्थापित शिवजी और हनुमान जी की प्रतिमा को देर रात छतिग्रस्त कर दिया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर मौजूद है और मामले की जांच कर रही है। यह घटना देर रात की बताई जा रही है। सुबह में जब स्थानीय युवक मंदिर के पास फील्ड में दौड़ने और घूमने आए तो देखा की मंदिर टूटा हुआ है। हनुमान जी और शिवजी की मूर्ति को क्षत-विक्षत कर फील्ड में फेका हुआ है। जिसके बाद बोकारो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर बोकारो सिटी डीएसपी, मुख्यालय डीएसपी, ट्रैफिक डीएसपी व कई थानों के प्रभारी और पुलिस बल मौके पर तैनात है। टेक्निल और डॉग स्क्वायड टीम भी मौके पर मौजूद है।

हाईकोर्ट ने परिवहन सचिव के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की कोर्ट में शनिवार को सुनील कुमार पासवान की ओर से मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) की नियमित बहाली के मामले में दायर अवमानना याचिका मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट की ओर से बार-बार दिए गए निर्देश के बावजूद परिवहन सचिव की ओर से जवाब नहीं किए जाने से नाराज कोर्ट ने प्रतिवादी परिवहन सचिव के खिलाफ बेलेबल गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इस बेलेबल वारंट ऑफ अरेस्ट का तामिला रांची, एसएसपी को करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। कोर्ट ने रांची एसएसपी को निर्देश दिया है कि वह कोर्ट की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का तामिला कर परिवहन सचिव को 17 अप्रैल को दोपहर 1:15 बजे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें।

आर्मी लैंड स्कैम : गिरफ्तार सात आरोपियों से चार दिनों तक पूछताछ करेगी ईडी, मिला रिमांड

आज से शुरू होगी रिमांड अवधि, खुलेंगे कई राज

वरीय संवाददाता, रांची।

जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर 14 अप्रैल को जेल भेज दिया गया था। कोर्ट ने ईडी की ओर से दायर रिमांड पिटिशन पर शनिवार को सुनवाई की। कोर्ट ने सभी 7 आरोपियों को ईडी को 4 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। बता दें कि ईडी की तरफ से 5 दिन की रिमांड मांगी गई थी। रिमांड अवधि कल यानी 16 अप्रैल से शुरू हो रही है। बता दें कि सेना के कब्जेवाली जमीन की हेराफेरी करने के आरोप में ईडी ने प्रदीप बागची सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किये गये आरोपियों में बड़गाईं के सीआई भानुप्रताप के अलावा जमीन कारोबारी अफसर अली, तलहा खान, फैयाज खान, सद्दाम हुसैन और इम्तियाज अहमद के नाम शामिल हैं। ईडी ने अभियुक्तों के पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश के आवास पर पेश किया था। न्यायालय के आदेश के आलोक में सभी अभियुक्तों के जेल भेज दिया गया था। कोर्ट ने ईडी की ओर से दायर रिमांड पिटिशन पर शनिवार 15 अप्रैल को सुनवाई की, जिसके बाद सभी 7 आरोपियों को ईडी के 4 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

फाइल फोटो

पूर्व डीसी छवि रंजन सहित 18 ठिकानों पर हुई थी छापेमारी

मालूम हो कि ईडी ने गुरुवार को सरकारी जमीन की हेराफेरी के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के आरोप में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़गाईं के सीओ मनोज कुमार, सीआई भानुप्रताप, अमीन सुजीत कुमार सहित जमीन कारोबार सेजुड़े फैयाज खान, इम्तियाज अहमद, अफसर अंसारी, लखन सिंह, तबरेज अख्तर सहित 18 लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी ने सेना की जमीन की हेराफेरी करने वाले चंदन बागची के आसनसोल स्थित ठिकाने पर छापा मारा था। बता दें कि छापामारी के दौरान सीआई के घर से कई सरकारी दस्तावेज मिले हैं। मिले दस्तावेजों की जांच पर ईडी ने अनुमान लगाया था कि जमीन कारोबारियों द्वारा अफसरों की मदद से जालसाजी कर आम लोगों की जमीन बेच दी गई है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने की प्रत्येक आश्रित को पांच लाख रुपये की मदद देने की घोषणा

ओल्ड मुंबई-पुणे हाइवे में 150 फीट नीचे खाई में गिरी बस, 12 की मौत, 29 घायल

एजेंसी, मुंबई।

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में ओल्ड मुंबई-पुणे हाइवे पर खोपोली में शनिवार तड़के करीब चार हुए बस हादसे में 12 यात्रियों की जान चली गई। 29 लोग घायल हुए हैं। कई घायलों की हालत नाजुक है। इसलिए मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। यह सुखकर्ता ट्रैवल्स की बस है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर दुख जताते हुए प्रत्येक आश्रित को पांच लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिला प्रशासन को दुर्घटना के कारणों की जांच कराने का आदेश दिया है।

खाई में बस के गिरने के बाद राहत-बचाव कार्य में लगे लोग ● एजेंसी

फडणवीस ने कहा है यह बस पुणे से मुंबई आ रही थी। इसमें कुल 41 लोग थे। यह बस अचानक सड़क से 150 फीट नीचे बोरघाट खाई में गिर गई। रेस्क्यू टीम ने 12 शव और 29 घायलों को निकाल लिया है। घायलों में दो बच्चे, तीन महिलाएं और 24 पुरुष हैं। 18 का इलाज रबाले के एमजीएम अस्पताल, 10 का खोपोली नगरपालिका अस्पताल और एक घायल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हाइवे ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक तानाजी चिखले ने बताया कि इस बस से गोरेगांव के प्रभु वादक समूह के लोग पुणे से मुंबई लौट रहे थे। अब तक एक मृतक की पहचान जुई सावंत (15) के रूप में की गई है। अन्य को पहचानने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पांच घायलों की भी पहचान नहीं हो सकी है। बाकी घायलों में नम्रता रघुनाथ (29), चंद्रकांत महादेव गुडेकर(29), तुषार चंद्रकांत गावड़े (22), हर्ष अर्जुन फाल्के (19), महेश हीरामन म्हात्रे (20),लवकुश रंजीत कुमार प्रजापति (16),आशीष विजय गौरव (19), सन्नी ओमप्रकाश राघव (21),यश अनंत सकपाल (19),वृषभ रवींद्र थोरवे (14),शुभम सुभाष गुडेकर , जयेश तुकाराम नारलकर (24),विशाल अशोक विश्वकर्मा (23),रुचिका सुनील धुमाने (17),ओम मनीष कदम (18) युसूफ उनेर खान (14),अभिजीत दत्तात्रेय जोशी (20),कोमल बालकृष्ण चिली (15),हर्ष वीरेंद्र दुरी (20),ओंकार जितेंद्र पवार (24), दीपक

मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजनाः हर किसान के खाते में आयेंगा 3500 रुपये

बैंक को भेजी गयी 58,550 किसानों की लिस्ट

वरीय संवाददाता, रांची।

मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत देवघर जिले के अतिरिक्त 58,550 किसानों को जल्द मुआवजे के पैसे का भुगतान किया जायेगा। जिला सहकारिता कार्यालय के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक को किसानों की सूची भेज दी गयी है। हर किसान को 3500 रुपये के हिसाब से भुगतान किया जाना है। फंड के अनुसार 58,550 किसानों की सूची अपर समाहर्ता के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक को भेजी गयी है। एक सप्ताह के अंदर किसानों के खाते में सुखाड़ राहत के पैसे क्रेडिट होने की संभावना है। बैंकों को जल्द भुगतान करने का निर्देश भी दिया जा चुका है। देवघर जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू ने बताया कि देवघर जिले में अब तक 1,67,098 किसानों की सूची भेजी जा चुकी है। इनमें 1,03,756 किसानों को जिले में प्राप्त 49 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत 3500 रुपये हर किसान को भुगतान किया जा चुका है। जिला सहकारिता कार्यालय के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक को किसानों की सूची भेज दी गयी है। एक सप्ताह के अंदर किसानों के खाते में सुखाड़ राहत के पैसे क्रेडिट होने की संभावना है। बैंकों को जल्द भुगतान करने का निर्देश भी दिया जा चुका है।

विभाग से प्राप्त फंड के अनुसार 58,550 किसानों की सूची अपर समाहर्ता के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक को भेजी गयी है। एक सप्ताह के अंदर किसानों के खाते में सुखाड़ राहत के पैसे क्रेडिट होने की संभावना है। बैंकों को जल्द भुगतान करने का निर्देश भी दिया जा चुका है।

ब्रीफ न्यूज

स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराई, युवक घायल

खूंटी : खूंटी-तमाड़ मुख्य पथ पर अनुमंडलीय पुस्तकालय के समीप शनिवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से जा टकराया। इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो में सवार एक युवक घायल हो गया। युवक की पहचान शहर के मैदान टोली बस्ती निवासी अंकुर नवीन टूटी (30) के रूप में हुई। घायल अंकुर को सदर अस्पताल खूंटी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। अंकुर के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई हैं। बताया जा रहा है कि एक ऑटो को बचाने के प्रयास में यह दुर्घटना घटी।

एससी-एसटी वर्ग की समस्याओं पर दिया जाएगा ध्यान : मंत्री

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर स्थित शिवाजी मैदान में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी महासभा का द्वितीय केंद्रीय महासम्मेलन शनिवार को संपन्न हो गया। महासम्मेलन में आदिवासी कल्याण मंत्री चंपाई सोरेन शामिल हुए। मंत्री चंपाई सोरेन ने इस दौरान कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी परम्परा को बचाने का काम किया है। उस अनुरूप योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि वन पर आश्रित लोगों को वन पट्टा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पलामू पिछड़ा हुआ जिला है इसलिए यहां के एसटी-एससी पिछड़े वर्ग की समस्या पर ध्यान दिया जाएगा। एसटी-एससी की अवैध रूप से लूटी गई जमीन वापस कराएंगे। इतना ही नहीं वे निजी कंपनी में भी एसटी-एससी के लोगों को काम दिलाएंगे। बाद में मंत्री को आदिवासी महासभा ने एक मांग पत्र सौंपा।

मारंगहादा के सोमा मुंडा हत्याकांड के पांच आरोपी गिरफ्तार

खूंटी : मारंगहादा थाना क्षेत्र के जोजोहातु गांव में पिछले दिनों बारूहातू नाचीटोला गांव के सोमा मुंडा (45) की लाठियों से पीटकर गंभीर रूप से घायल करने और बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो जाने के मामले में पुलिस ने दो सहोदर भाइयों सहित सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में प्राथमिकी अभियुक्त बिचागुटू गांव निवासी नायक मुंडा (28), उसका छोटा भाई चट्टान मुंडा (23) जोजोहातु गांव के मोइन मुंडा (25) और बांगो मुंडा (20) सभी मारंगहादा थाना और पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव थानांतर्गत दिगी गांव के कुंवर मुंडा उर्फ शीतल मुंडा (22) शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि मृतक सोमा मुंडा महिलाओं के साथ छेड़खानी कर रहा था। इसी बात पर उसकी पिटाई की गई थी। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद कर लिया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में शनिवार को जेल भेज दिया गया। यह जानकारी एसडीपीओ अमित कुमार ने दी।

हजारीबाग में तालाब से युवक का शव बरामद

हजारीबाग : हजारीबाग में हुरहुरू तालाब से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। युवक की पहचान नहीं हो पायी है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात को स्थानीय लोगों को पता चला कि कोई तालाब में डूबा है। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर शनिवार को युवक का शव तालाब से बरामद कर लिया। फिलहाल युवक की पहचान नही हो पाई है। पुलिस युवक के पहचान की कोशिश कर रही है।

दो दिन से गायब व्यक्ति का शव मिला, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कोडरमा : जिले के तिलैया थाना अंतर्गत काली मंदिर के पास बंद पड़े मकान के बाहर से शनिवार को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान भंडरवा निवासी प्रदीप यादव (45) के रूप में हुई है जो दो दिनों से गायब था।

सचिवालय घेराव: भाजपा ने गवर्नर से की पुलिस कार्रवाई की न्यायिक जांच की मांग

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सौंपा ज्ञापन

वरीय संवाददाता, रांची।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को ज्ञापन सौंपता भाजपा का प्रतिनिधिमंडल ● फोटोन न्यूज

प्रदेश भाजपा ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से सचिवालय घेराव कार्यक्रम पर पुलिस कार्रवाई की न्यायिक जांच कराने का आग्रह किया है। इस संबंध में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास, भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा और बालमुकुंद सहाय शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि 11 अप्रैल को रांची में पार्टी की ओर से सचिवालय घेराव कार्यक्रम को बाधित करने का काम राज्य सरकार ने किया। बावजूद इसके प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम पूरी तरह से लोकतांत्रिक रहा। लोकतंत्र में सत्ता की विफलताओं-नाकामियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है। इसका पालन लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा ने किया है। कार्यक्रम में शामिल हजारों भाजपा कार्यकताओं एवं आम जनता ने धैर्य एवं संयम का परिचय दिया। कहीं भी कोई तोड़-फोड़, हिंसा नहीं की। ऐसे में पुलिस धौंस, फर्जी मुकदमों, संगीन अपराध की कानूनी धाराओं के आधार पर हेमंत सरकार अपने कुकृत्यों पर पर्दा डालना चाहती है।

नेताओं ने आग्रह कहा कि 11 अप्रैल को भाजपा की ओर से आयोजित सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुई पुलिस कार्रवाई, लाठीचार्ज, नेताओं, कार्यकताओं पर हुए फर्जी मुकदमों की न्यायिक जांच कराई जाये। दोषियों पर सख्त कार्रवाई के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से कहा कि प्रदेश भाजपा लगातार हेमंत सरकार की विफलताओं, नाकामियों को उजागर करती रही है। पार्टी ने राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की भावनाओं के अनुरूप हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादा खिलाफी को सड़क से सदन तक लगातार उजागर किया है। केंद्रीय जांच एजेंसियों के द्वारा राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के गंभीर मामले आए दिन उजागर हो रहे हैं। राज्य के लिए शर्मनाक स्थिति यह है कि भ्रष्टाचार के मामले में स्वयं मुख्यमंत्री, उनके परिजन, सहयोगी के साथ कई वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता भी उजागर हुई है। राज्य सरकार की नियत में ही खोट है, यह सरकार राज्य का विकास नहीं करना चाहती बल्कि अपने परिजनों और चहेतों को केवल खनिज संसाधनों और राज्य के खजाने को लूटने की छूट देना चाहती है।

कांग्रेस ने जय भारत सत्याग्रह सभा का किया आयोजन

मोदी-अडानी संबंधों की जमकर आलोचना की

जय भारत सत्याग्रह सभा में शामिल कांगेस के नेता-मंत्री ● फोटोन न्यूज

वरीय संवाददाता, गुमला।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शनिवार को ललित उरांव टाउन हॉल के बाहरी परिसर में जय भारत सत्याग्रह सभा का आयोजन किया गया। इस सत्याग्रह सभा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की व मंत्री डा.रामेश्वर उरांव ने जिले भर से आये पदाधिकारियों व कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उनमें 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए जोश भरने का काम किया।

वहीं इन नेताओं ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का संसद की सदस्यता समाप्त करने, संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग करने व मोदी- अडानी संबंधों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार की जमकर आलोचना की। इन्होंने कहा कि इस देश में मंहगाई चरम पर है। आम जनता त्राहिमाम कर रही है। केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार की वजह से धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक सद्भाव खतरे में है । डा. रामेश्वर उरांव ने कहा कि गुमला जिला कांग्रेस का कभी गढ़ हुआ करता था। लोग मुझसे कहते हैं कि आदिवासी कांग्रेस को छोड़ रहें हैं। मेरा कहना है कि आदिवासी कांग्रेस को नहीं, कांग्रेस ही आदिवासियों को छोड़ रही है । कार्तिक उरांव ने जिस तरह आदिवासी समाज को एकजूट किया था। आज वैसे ही आदिवासियों को पार्टी से जोड़ने की आवश्यकता है।

रामगढ़ : तीन दिवसीय बाल शिविर में 90 शिक्षार्थियों ने लिया भाग

वरीय संवाददाता, रामगढ़।

तीन दिवसीय बाल शिविर में शामिल बच्चे ● फोटोन न्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रामगढ़ जिला के तत्वावधान में तीन दिवसीय बाल शिविर के दूसरे दिन शनिवार को संध्या काल में भारत माता की पूजन और आरती भी कराई गई। इस शिविर का उद्घाटन राधा गोविंद स्कूल में उद्घाटनकर्ता प्रांत के संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू, नगर संघचालक प्रवीण कुमार झा, वर्ग कार्यवाह संजीव कुमार ने संयुक्त रुप से भारत माता, संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार गुरु गोलवलकर और बाबा साहब अंबेडकर जी की चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस बाल शिविर में जिलेभर से लगभग 90 शिक्षार्थियों ने भाग लिया।

बाबा साहब ने इस देश को उन्नति का राह दिखाया:राजीव कमल

शिविर को संबोधित करते हुए उद्घाटनकर्ता राजीव कमल बिट्टू ने बच्चों को आरएसएस से परिचय कराते हुए बाबा साहब अंबेडकर के जीवनी के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर राष्ट्रीय भाव से ओतप्रोत रहकर आजीवन इस राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहे। भारत के संविधान के संस्थापक के तौर पर कहे जाने वाले बाबा साहब ने इस देश को उन्नति का राह दिखाया है। इसके बाद उन्होंने नचिकेता, प्रहलाद, भरत और आरुणि की कहानियां सुना कर बच्चों का उत्साह वर्धन किया। बाल शिविर के वर्ग कार्यवाह संजीव कुमार ने बताया कि सभी बच्चों के रहने और खाने की उचित व्यवस्था कराई गई है। इस शिविर में बच्चों को भारतीय संस्कृति की जानकारी के साथ-साथ खेलकूद योग व्यायाम के साथ अनुशासन का पाठ पढ़ाया जा रहा है। साथ ही बच्चों को हनुमान चालीसा, गायत्री मंत्र और भारत माता की प्रार्थना भी याद कराया जा रहा है।

ये थे उपस्थित

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कौशलेंद्र कुमार, मुख्य शिक्षक अनुराग कुमार, रामगढ़ विस्तारक नितेश कुमार, दीपक सोनकर, लव कुमार, शिबू कुमार, अभिषेक कुमार आदि उपस्थित थे।

अधिकारियों ने कहा- विकास कार्यों को धरातल पर उतारें या पैसा वापस करें

मुसाबनी में हुई प्रखंड स्तरीय समीक्षात्मक बैठक, दक्षिण ईचड़ा पंचायत के मुखिया को शो-कॉज

वरीय संवाददाता, जमशेदपुर।

बैठक करते डीआरडीए निदेशक, निदेशक एनईपी व अन्य ● फोटोन न्यूज

मुसाबनी प्रखंड सभागार में उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार प्रखंड स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में निदेशक डीआरडीए सौरभ सिन्हा, निदेशक एनईपी ज्योत्सना सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजीव रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ. रजनीकांत मिश्रा, जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कालिंदी, बीडीओ सीमा कुमारी, सीओ राजीव कुमार तथा जिला स्तर व प्रखंड के अन्य विभागीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं में अधतन प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ मुख्य रूप से गर्मी के मौसम को देखते हुए खराब पड़े चापाकल व जलमीनार की मरम्मती पर विशेष बल दिया गया। वैसे सभी ग्राम पंचायत जहां चापाकल या जलमीनार खराब पड़े हैं उनकी सूची तत्काल प्रखंड कार्यालय में जमा कराने का निदेश दिया गया। 15 वें वित्त की राशि कम खर्च करने पर दक्षिणी ईचड़ा पंचायत के मुखिया को शो कॉज किया गया। 15वें वित्त आयोग की योजना के क्रियान्वयन में दक्षिणी ईचड़ा पंचायत का काफी खराब प्रदर्शन है। अधिकारियों द्वारा पंचायत में क्रियान्वित कुल 106 योजना के बारे में पूछा गया तो मुखिया ने बताने में असमर्थता जताई। सभी योजना के बारे में पता कर तीन दिनों के अंदर अद्यतन सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया अन्यथा पैसा वापस करने का निर्देश दिया गया। दक्षिण ईचड़ा पंचायत में 15 वें वित्त आयोग में कुल 106 योजना में से 44 योजना में कार्य चल रहा है। प्रखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना अंतर्गत लंबित आवासों को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

मनरेगा के सभी पुरानी योजनाओं को अप्रैल तक बंद करें

मनरेगा योजना की समीक्षा में पाया गया कि आधार सिडिंग में 99 प्रतिशत उपलब्धि है। कुईलीसुता पंचायत में 45 इनएक्टिव लाभुक पाये गए। जॉब कार्ड, केवाईसी नहीं होना समेत अन्य बिंदुओं पर पंचायतवार गहन समीक्षा की गई। मनरेगा की सभी पुरानी योजनाओं को माह अप्रैल में अनिवार्य रूप से बंद कराने का निर्देश दिया गया। योजनाओं के अभिलेख में फोटो एवं जमीन कागजात अद्यतन नहीं करने वाले कर्मचारियों की लापरवाही पर शो कॉज जारी करने का निर्देश दिया गया। उत्तरी ईचड़ा पंचायत में मनरेगा योजना में कार्य नहीं होने पर पंचायत सचिव एवं मुखिया से जबाव मांगा गया कि किस परिस्थिति में पंचायत में कार्य नहीं हो रहा है।

महेश कुमार मनीष बने जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के महासचिव, चंदन बैठा बने जिला सचिव

द फोटोन न्यूज संवाददाता, रांची।

महेश कुमार मनीष की फाइल फोटो

रांची जिला महानगर कांग्रेस कमेटी, प्रदेश कांग्रेस सेवादल, इंटक कांग्रेस के विभिन्न पदों पर पार्टी की 11 वर्षों से सेवा करने वाले महेश कुमार मनीष को रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी में जिला महासचिव बनाया गया। वही भाजपा से कांग्रेस पार्टी में 1 वर्ष पूर्व आए चंदन बैठा को जिला सचिव बनाया गया है। बताते चलें कि महेश कुमार मनीष कांग्रेस पार्टी के एक जुझारू और कर्मठ कार्यकर्ता है। इन्होनें पिछले 6 वर्षों के अपने सेवा के दौरान खासकर कोरोना काल में लोकडाउन के समय कांके विधानसभा क्षेत्र के खासकर कांके और पिठोरिया क्षेत्र सहित शहरी क्षेत्र कोकर, बरियातू क्षेत्र में गरीबों की सेवा की। खाना व्यवस्था और दवा व्यवस्था के लिए निरंतर कार्य किया। इस दौरान मनीष कार्यकताओं के साथ जहां रोड रास्ता नहीं है वहां पर भी जाकर भोजन सहित सूखा राशन, चावल, दाल, सब्जी का वितरण किया। खासकर पिठोरिया क्षेत्र के कतरिया बेड़ा, राड़हा गांव में काफी सेवा कार्य किए। महेश कुमार मनीष वर्ष 2024 कांके विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा की तैयारी में भी जुटे हैं। विधानसभा क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों में इनकी अच्छी पैठ पकड़ देखी जा सकती है। महेश कुमार मनीष जहां अपने बलबूते और अपनी मेहनत से लगातार कांग्रेस पार्टी की सेवा कर आगे बढ़ने का प्रयास किए हैं वही चंदन बैठा भाजपा से आकर कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर कांग्रेस पार्टी में अपनी जगह बनाने के लिए प्रयासरत है। इसी प्रयास के तहत चंदन बैठा को पहली बार जिला सचिव का पद पार्टी में मिला हैं। महेश कुमार मनीष विभिन्न धार्मिक संगठनों से भी जुड़े हैं। वहीं कई सामाजिक संगठनों से जुड़कर निरंतर कांके विधानसभा क्षेत्र में लोगों को अपनी सेवा दे रहे हैं।

मिशन 2024 में जुटा झामुमो, कांके प्रखंड में पंचायत स्तर पर चल रहा सदस्यता अभियान

वरीय संवाददाता, रांची।

झामुमो की सदस्यता ग्रहण करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

आगामी 2024 चुनाव की तैयारी को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा पूरी तरह से तैयारी में जुट चुकी है। इसी कड़ी में पार्टी के निदेर्शानुसार सभी पंचायतों पर सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को झामुमो से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। शनिवार को कांके प्रखंड के ऊरगुट्टू पंचायत में सदस्यता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर झामुमो के कांके प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर और रांची जिला उपाध्यक्ष जनक नायक ने फीता काटकर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर और जिला उपाध्यक्ष जनक नायक ने नए लोगों को सदस्यता रसीद काटकर और पार्टी का पट्टा पहना कर पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर ने कहा कि यह कार्यक्रम कांके प्रखंड के सबसे बड़े पंचायत, ऊरगुट्टू पंचायत से आज शुभारंभ किया गया है। जो लगातार कांके प्रखण्ड के सभी 32 पंचायतों पर कैंप लगाकर इस कार्यक्रम को चलाया जाएगा।

महावीर रुंगटा और रैयतों के बीच वार्ता के दौरान हुआ हंगामा, सांसद ने किया हस्तक्षेप

दस्तावेज की जांच किए बिना पुलिस नहीं करे कार्रवाई : जयंत

वरीय संवाददाता, रामगढ़।

रामगढ़ शहर में जमीन को लेकर महावीर रुंगटा और रैयतों के बीज की वार्ता शनिवार को विफल हो गई। इस वार्ता के दौरान इतना हंगामा हुआ की पुलिस पर भी सवालिया निशान खड़ा हो गया। विवाद को शांत कराने के लिए सांसद जयंत सिन्हा ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को किसी भी कदम को उठाने से पहले दस्तावेजों की जांच पूरी होने का निर्देश दिया। सांसद ने कहा कि अगर महावीर रुंगटा की कंपनी के पास जमीन के पुख्ता दस्तावेज हैं तो उसका निपटारा अंचल से ही हो सकता है। अगर अंचल कार्यालय से कुछ त्रुटि होती है तो एलआरडीसी और डीसी के कोर्ट में इस मामले का निष्पादन होगा। बिना वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस इस मामले में विवाद को बढ़ावा नहीं दे तो ही बेहतर है।

जमीन मालिकों ने अवैध कब्जे का तो रुंगटा ग्रुप ने अवैध घुसपैठ का लगाया आरोप : जमीन मालिकों का कहना है कि उनकी जमीन पर पूंजीपति अवैध तरीके से कब्जा कर रहे हैं। दूसरी ओर महावीर रुंगटा कंपनी के पदाधिकारियों का कहना है कि उनके गेस्ट हाउस में गलत तरीके से लोग घुस कर रहे हैं। यह पूरा मामला रांची रोड के हीरक नगर से जुड़ा हुआ है। यहां भूमि पर अधिकार को लेकर जमकर बवाल हुआ। रैयतों ने महावीर रुंगटा की कंपनी पर अवैध तरीके से जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है।

वर्ष 2017 से चल रहा है दोनों पक्षों में विवाद : रुंगटा ग्रुप की ओर से मौजूद लोगों ने कहा कि वह 2007 से यहां रह रहे हैं। उनकी कंपनी के नाम पर सेल डीड एग्रीमेंट भी है। दूसरी तरफ जमीन मालिकों का कहना है कि उक्त जगह हमारी खतियानी जमीन है। कुछ जमीन की लीज पर दी गई थी। वर्ष 2017 में अवधि समाप्त होने पर हम लोग जमीन पर गए तो देखा कि रूंगटा के कुछ लोग वहां रह रहे हैं।

दोनों पक्षों के दस्तावेज की होगी जांच : सीआई

जांच करने पहुंचे सीआई राजाराम ने कहा कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी है। एक पक्ष का कहना है कि सेल डीड एग्रीमेंट जमीन के असली मालिक के द्वारा नहीं किया गया है। जबकि रुंगटा ग्रुप के लोगों का कहना है कि जिन लोगों ने भी उन्हें सेल डीड एग्रीमेंट किया है वे उस जमीन के मालिक होने का ही दावा करते हैं।

सांसद ने नशाखोरी की बढ़ती समस्या को लेकर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

वरीय संवाददाता, रांची।

रांची के सांसद संजय सेठ ने नशाखोरी की बढ़ती समस्या और इसकी चपेट में आते विद्यार्थियों युवाओं के भविष्य को लेकर झारखंड सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। इस पत्र में सांसद ने टीम बनाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, परिवारों के साथ मिलकर नशाखोरी की चपेट में बच्चों की काउंसलिंग करने की भी बात मुख्य सचिव को कही है। पत्र में सांसद ने कहा है कि रांची में नशाखोरी की समस्या गंभीर हो चुकी है। रांची के विद्यार्थी और युवा इसकी चपेट में हैं। नशाखोरी के चपेट में आती झारखंड की राजधानी रांची के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है। बड़ी संख्या में युवा ड्रग्स, अफीम जैसे मादक द्रव्यों का सेवन कर रहे हैं। नशाखोरी से जुड़े इन सामानों का व्यवसाय करने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसी सामग्री का व्यवसाय कर एक तरफ लोग अवैध कमाई कर रहे हैं तो दूसरी तरफ हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। अपराध भी बढ़ रहा है।

सांसद ने कहा है कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि आठवीं से 12वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी बुरी तरह से इसकी चपेट में आ रहे हैं। कई शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे से जुड़े सामानों की बिक्री हो रही है। विद्यार्थी इसका सेवन कर रहे हैं और ऐसे लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यह समस्या रांची में विकराल रूप धारण कर चुकी है। स्थिति बहुत चिंताजनक हो चुकी है।

ब्रीफ न्यूज

झारखंड के 17 जिलों में कोरोना के सक्रिय मामले

रांची : राज्य के 17 जिले कोरोना की चपेट में हैं। मात्र पांच दिनों में कोरोना मरीजों की संख्या दोगुनी हो गयी है। शनिवार को मरीजों की संख्या बढ़कर 151 पर पहुंच गई है। रिम्स में एक कोरोना मरीज (बच्चा) भर्ती है। जनसंपर्क अधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया कि संक्रमित बच्चे को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। पीडियाट्रिक विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। बोकारो में कोरोना के तीन, चतरा में एक, देवघर में 16, दुमका में दो, पूर्वी सिंहभूम में 24, गढ़वा में एक, गिरिडीह में तीन, गोड्डा में एक, गुमला में एक, हाजरीबाग में आठ, खूंटी में एक, कोडरमा में सात, लातेहार में सात, लोहरदगा में आठ, रामगढ़ में पांच, रांची में 59 और पश्चिमी सिंहभूम में चार सक्रिय मरीज हैं।

तुपुदाना में तालाब में डूबने से युवक की मौत

रांची : तुपुदाना ओपी क्षेत्र के हजाम नवाटोली निवासी तोता कच्छप की तालाब में डूब जाने से मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार तोता मजदूरी का काम करता था। शनिवार को दोपहर में नहाने के लिए गांव के समीप तालाब में गया था। नहाने के क्रम में संभवत तालाब में डूब गया। परिजनों एवं गांव वालों ने काफी खोजबीन किया शाम में तालाब के किनारे उसके कपड़े पड़े हुए थे ग्रामीणों ने तालाब में जाल फेंक कर देखा तो तोता का बॉडी तालाब से निकला। मामले की जानकारी जिला परिषद सदस्य रीता होरो, मुखिया शिवचरण एवं पंचायत समिति सदस्य कल्याण लिंडा को ग्रामीणों ने दिया मौके पर कल्याण लिंडा एवं मुखिया शिवचरण पहुंचे और घटना की जानकारी तुपुदाना पुलिस को दिया। पुलिस मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाकर शव को थाना ले आई है। रविवार को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजेगी मृतक तोता काफी गरीब है और मजदूरी करके पत्नी एवं अपने चार बच्चों का भरण पोषण करता था। तोता के मृत्यु के बाद पत्नी एवं बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है। कल्याण लिंडा ने प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने का भरोसा दिया है।

मंडा पूजा समित की बैठक

रांची । कांके प्रखंड के चंदवे पंचायत के दुबलिया ग्राम शिव मंदिर के प्रांगण में मंडा पूजा समित की बैठक संदीप उरांव की अध्यक्षता में की गई। बैठक में हर वर्ष की भांति मंडा पूजा का आयोजन धूमधाम से करने का निर्णय लिया गया। 21 अप्रैल 2023 दिन शुक्रवार को उत्तरी, 22 अप्रैल 2023 दिन शनिवार को फुलखुंदी एवं छऊ नृत्य व 23 अप्रैल 2023 दिन रविवार को झूलन का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया।

3 मई से रांची में चैंपियंस लीग टी- 20 क्रिकेट का आयोजन

रांची : आगामी 3 मई से रांची कॉलेज मैदान में अंडर-14 और अंडर-16 टी-20 क्रिकेट टूनामेंट होगा, जो लीग आधार पर खेले जाऐंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीमों को 30 अप्रैल तक निर्धारित राशि देकर अपनी इंट्री करानी होगी। झारखंड स्पोर्ट्स एकेडमी के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि यह टूनामेंट 2019 तक लगातार 8 साल आयोजित हुआ। इसके बाद कोरोना काल में इसका आयोजन संभव नहीं हो पाया। इस वर्ष पुनः इसका आयोजन किया जा रहा है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

70 अंक से रांची की टीम ने मारी बाजी, सिमडेगा दूसरे स्थान पर

कांके पुलिस लाइन में जीत का जश्न मनाते विजेता खिलाड़ी ● फोटोन न्यूज

वरीय संवाददाता, रांची।

कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में शनिवार को दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में रांची जिला बल 70 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा। दूसरे स्थान पर सिमडेगा, तीसरे स्थान पर लोहरदगा, चौथे स्थान पर गुमला और पांचवें स्थान पर खूंटी जिला बल रहा। रांची जिला बल फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी पुरुष, कबड्डी महिला, हैंडबाल और वालीबॉल में पहले स्थान पर रहा। रांची जिले की टीम को ओवर ऑल चैंपियन का ट्रॉफी दिया गया।

इसी प्रकार 200 मीटर दौड़ में रांची के कृष्णा उरांव पहले स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में गुमला के संदीप उरांव पहले स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ में सिमडेगा के संतोष प्रधान,1500 मीटर दौड़ में सिमडेगा के संतोष प्रधान, 5000 मीटर दौड़ में खूंटी के उपेन्द्र कुमार प्रधान पहले स्थान और 10000 मीटर पैदल चाल में लोहरदगा के धमेंद्र महतो, खूंटी के करण भगत लंबी कूद , हाई जंप और ट्रिपल ऊंची कूद में पहले स्थान पर रहे।

वहीं दूसरी ओर महिला 200 मीटर दौड़ में खूंटी जिले की फूलमणी बोदर प्रथम स्थान पर रही। 400 और 800 मीटर दौड़ में रांची जिले की पिंकी लकड़ा पहले स्थान पर रही। 10000 मीटर पैदल चाल में लोहरदगा जिले की बालमणि कुमारी प्रथम स्थान पर रही। लंबी कूद में गुमला जिले की लिल्ली रश्मि जोजो, ट्रिपल जंप में रांची जिले की रिंकी कुमारी, हाई जंप में गुमला जिले की आशा कुमारी पहले स्थान पर रही। विजेता खिलाड़ियों को डीआईजी अनुप बिरथरे ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मौके पर एसएसपी किशोर कौशल, ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, सिटी एसपी शुभांशु जैन, सिमडेगा एसपी सहित कई अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद थे।

इन पुलिसकर्मियों को मिला पहला स्थान

- आर्चरी : मोहन मंडल रांची
- साइकिलिंग: अरशद खान रांची
- कुश्ती : गुरुदेव प्रसाद यादव रांची
- मुक्केबाजी: अनुज कुमार रांची
- 200 मीटर: कृष्णा उरांव रांची
- 400 मीटर: संदीप उरांव गुमला
- 800 मीटर: संतोष प्रधान सिमडेगा
- 1500 मीटर: संतोष प्रधान सिमडेगा
- 5000 मीटर : उपेंद्र कुमार खूंटी
- 10000 मीटर: दीपक कुमार सिमडेगा
- 10000 मीटर पैदल: धर्मेंद्र महतो लोहरदगा
- लंबी कूद : करण कुमार भगत खूंटी
- ट्रिपल जंप: करण कुमार भगत खूंटी
- हाई जंप : करण कुमार भगत कोठी
- बैटपुट : मिथिलेश कुमार सिमडेगा
- जैवलिन थ्रो : धर्मवीर भगत गुमला
- डिस्कस थ्रो : मिथिलेश कुमार सिंह सिमडेगा
- हैमर थ्रो : मिथिलेश कुमार सिमडेगा
- एथलेटिक्स महिला 200 मीटर: फुलमनी बोदरा खूंटी
- 400 मीटर : पिंकी लकड़ा राच
- 800 मीटर : पिंकी लकड़ा रांची
- 1500 मीटर: पिंकी लकड़ा रांची
- 10000 मीटर पैदल: बामुनी मरी लोहदगा
- लंबी कूद : लिली रश्मि जोजो गुमला
- ट्रिपल जंप : रिंकी कुमारी रांची
- हाई जंप : आशा कुमारी गुमला
- जैवलिन थ्रो : ज्योति कुमारी लोहरदगा

डिस्कस थ्रो : रिंकी कुमारी रांची

- हैमर थ्रो : ज्योति कुमारी लोहरदगा
- कराटे : सीमा कुमारी रांची
- इवेंट प्रतियोगिता : सतनारायण सिमडेगा
- ताइक्वांडो मनीषा कुमारी सिंह रांची
- वुशु : मनीषा कुमारी रांची
- योगा : सीमा कुमारी रांची

शादी से इंकार करने पर युवक ने खुद को मारी गोली, मौत

वरीय संवाददाता, रांची।

युवती द्वारा शादी से इनकार करने पर प्रेम में पागल युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना सदर थाना क्षेत्र की है, जहां धीरज उरांव नाम के युवक ने देसी कट्टे से खुद को गोली मार ली। धीरज को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच में जुटी है।

10 साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

घायल धीरज उरांव के पिता बुधवा उरांव ने पुलिस को बताया है कि वह घर में आराम कर रहे थे। इसी दौरान घर के बरामदे से गोली चलने की आवाज आई। जब यह दौड़े-दौड़े बाहर निकले, तो देखा कि उनका बेटे धीरज को गोली लगी हुई है और काफी खून बह रहा है। पास में ही एक देसी कट्टा और कुछ कारतूस पड़ा हुआ था। उन्होंने तुरंत 100 नंबर पर डायल कर पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों के सहयोग से धीरज को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि 10 साल से धीरज का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। धीरज उससे शादी करना चाहता था, लेकिन कुछ दिनों से दोनों में विवाद हो गया था। लड़की ने शादी से इंकार कर दिया था। इसके बाद धीरज टेंशन में रहता था।

अमृत होरो हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार, जेल

वरीय संवाददाता, रांची।

लापुंग इलाके में रहने वाले अमृत होरो को पुलिस ने नामजन बारला की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से टांगी बरामद किया है जिससे नामजन बारला की हत्या हुई थी। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि नामजन बारला का अमृत होरो की पत्नी के साथ अवैध संबंध था। अमृत ने अपनी पत्नी और मृतक को आपततिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद आरोपी ने नामजन बारला की हत्या कर दी। पूछताछ में आरोपित ने हत्या करने की बात स्वीकार की है। अमृत होरो के खिलाफ नामजन बारला के घरवालों ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने इसका खुलासा कर दिया था।

सेल और सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच समझौता

वैज्ञानिकों के लिए हरित इस्पात पर शोध का सुअवसर

वरीय संवाददाता, रांची।

शनिवार को सेल और सीएसआईआर-सीबीआरआई (सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) रुड़की के बीच दुगार्पुर इस्पात संयंत्र में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। डिजाइन प्रक्रियाएं, उनका अनुकूलन और स्टील के विभिन्न ग्रेड और किस्मों में सेल द्वारा उत्पादित समानांतर फ्लैंज सेक्शन (संकीर्ण और चौड़ा) की सिफारिशें, स्टील बनाने वाले स्लैग का उपयोग करने वाले उत्पादों में कार्बन डाईऑक्साइड का खनिजीकरण का आकलन और सेल स्ट्रक्चरल का उपयोग करके हरित इस्पात की गहन उपयोगिता संरचना/भवन का डिजाइन संभावित क्षेत्र में दोनों पक्ष कथित पारस्परिक लाभ के लिए आगे सहभागिता करेंगे। सेल की ओर से ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह, निदेशक प्रभारी (बर्नपुर और दुगार्पुर इस्पात संयंत्र) और निर्विक बनर्जी कार्यपालक निदेशक (आरडीसीआईएस) रांची और सीबीआरआई की ओर से निदेशक डॉ। प्रदीप कुमार रमनचारला ने इस पर हस्ताक्षर किए। आरडीसीआईएस रांची से डॉ। विनोद कुमार, सीजीएम (उत्पाद) श्रीहर्ष गोस्वामी, सीजीएम (आयरन) और नीता चक्रवर्ती, जीएम (पीसी) भी उपस्थित थे। सीएसआईआर-सीबीआरआई की ओर से डॉ। अजय चौरसिया, मुख्य वैज्ञानिक, डॉ। एलपी सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और डॉ। चंचल सोनकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे।

बढ़ा तापमान, पूरे राज्य में हीट वेव को ले अलर्ट जारी

19 और 20 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा की संभावना

वरीय संवाददाता, रांची।

राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में हीट वेव का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने हीट वेव को लेकर अलर्ट तक जारी किया है। नए अपडेट के मुताबिक 30 अप्रैल तक विशेष राहत की उम्मीदें नहीं है। हालांकि मई के पहले सप्ताह में राजधानी समेत राज्य के पूर्वी हिस्सों में गर्जन के साथ वर्षा होने व 40-50 किमी की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई जा रही है। जिससे राहत कम आफत की संभावना अधिक है। सतही हवा चलने से वायुमंडलीय गर्म हवा का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा। जिससे गर्मी व उमस के बढ़ने की संभावना है। वहीं राजधानी रांची के अलावा गिरिडीह, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, बोकारो, धनबाद जिलों में 30 अप्रैल तक हीट वेब का असर कायम रहेगा। राज्य में अगले तीन से चार दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव का पूवार्नुमान नहीं है। हालांकि इसके अगले दिन तीन दिनों में राज्य के पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। बता दें कि पश्चिम विक्षोभ यानी देश के पश्चिमी हिस्से से गर्म हवाओं के असर ने झारखंड के लातेहार, पलामू, चतरा, गढ़वा समेत आसपास के जिलों में तापमान बढ़ा दिया है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि 16 व 17 अप्रैल को आंशिक बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क रहेगा। जबकि 18 अप्रैल को शाम के वक्त आंशिक बादल छाए रहेंगे। वहीं 19 और 20 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी भागों में कहीं कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा की संभावना है।

रांची में तेज धूप के बीच छाता लेकर निकलीं युवतियां ● फोटोन न्यूज

इन बातों का रखें ध्यान

- दोपहर 11 से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकले, जरुरत पड़े तो पर्याप्त पानी पीकर ही निकलें
- हल्के रंग के ढीले, सूती कपड़े पहनें
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का प्रयोग करें
- दिनभर थोड़ी थोड़ी देर में पानी पिए ताकि डिहाइड्रेशन से बच पाएं
- श्रमिक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सीधी धूप से बचे
- बाहरी गतिविधियों के लिए आराम और सोने की सीमा बढ़ाएं
- मवेशियों को सुबह 11 बजे से 4 बजे के बीच घर के अंदर ही रखें
- पौधों और फसलों में समय समय पर सिचाईं करते रहे
- हीट स्ट्रोक, हीट रैश या हीट क्रैंप जैसे लक्षणों को पहचानें जैसे, चक्कर आना, सिरदर्द,
- पसीना और दौरे, यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं, तो तुरंत डाक्टर के पास जाएं।

अवैध कोयले और बालू का धड़ल्ले से चल रहा कारोबार, माफिया मस्त-प्रशासन पस्त

वरीय संवाददाता, बुढ़मू।

अवैध खनन के मामले मे बुढ़मू हमेशा से विवादों मे रहा हैं, चाहे कोयला के क्षेत्र मे हो, बालू के क्षेत्र मे हो, यहां कुछ ना कुछ अवैध कार्य सालो भर चलता ही रहता हैं। इस अवैध खनन से कुछ मुट्ठी भर लोगो को फायदा जरूर पहुंचता हैं परंतु सरकार को यहां भारी राजस्व का नुकसान होता हैं। बीते दो महीनों से बुढ़मू मे अवैध कोयला का कारोबार लगातर जारी हैं माफियाओ द्वारा लगातार कोयले की चोरी कर जंगलो मे डंप करते हैं और डंप जगहों से बड़े वाहनों जैसे ट्रबो, पिकअप, बोलेरो, ओमनी,हाइवा आदि मे डाल कर बड़े आराम से तस्करी करते हैं। इस खेल मे दर्जनों माफिया शामिल है, इस दौरान जबरदस्त रेकी भी किया जाता है ताकि वाहन पकड़ा ना जाएं और बड़े ही आराम से इस कार्य को अंजाम दिया जाता हैं। जिसकी जानकारी आम व खास को भी है वावजूद कार्रवाई ना होना यह एक आश्चर्य की बात है। सूत्रों की माने तो यह सारा खेल सफेदपोसो की मिली भगत से चल रहा हैं। वहीं दूसरी ओर चालान के नाम पर अवैध बालू की भी तस्करी बदस्तूर जारी है जिसपर खनन विभाग लगाम लगाने मे पूर्णतः विफल है।बालू घाटों की नीलामी नहीं होने के बावजूद बड़े पैमाने पर बालू घाटों से बालू निकाला जा रहा है ओर मंडियो मे ऊंचे दामों पर बेचा भी जा रहा है। बहरहाल मामलें पर क्या कार्रवाई होती है यह तो आनेवाला वक़्त ही बताएगा। फिलहाल नदियों से बालू लगातार निकालने की वजह से नदियों पर भी खतरा मंडराता नजर आ रहा है। नदी की पानी बालू निकालने की वजह से गर्मी आने के पहले ही सुख चुकी है। जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ रहा है।

बालू का अवैध तरीके से उठाव कर ले जाता ट्रक ● फोटोन न्यूज

सम्राट गिरोह का सरगना जयनाथ साहू हत्या के दो मामलों में हुआ बरी

वरीय संवाददाता, रांची।

सम्राट गिरोह का सरगना जयनाथ साहू को हत्या के दो अलग-अलग मामले में अदालत ने शनिवार को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त एमसी वर्मा की कोर्ट ने जयनाथ साहू को बरी किया है। जयनाथ साहू की ओर से अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने कोर्ट में पक्ष रखा। प्रीतांशु सिंह ने बताया कि जयनाथ साहू पर धूपेश्वर सिंह की हत्या और फरीद मलिक की हत्या का आरोप था। दोनों मामले रांची के लापुंग थाना से जुड़े हुए हैं, जिसमें वर्ष 2000 और 2004 में जयनाथ साहू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में पांच गवाह पेश किये गये, लेकिन गवाह यह साबित नहीं कर पाये कि जयनाथ साहू ने धूपेश्वर सिंह की हत्या करवायी थी।

दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

रांची : पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की कोर्ट ने दुष्कर्म मामले में दोषी मकरध्वज महतो को 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 15 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर उसे छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले को लेकर सिल्ली थाना में कांड संख्या 12/ 2019 दर्ज किया गया था। पूर्व में कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया था। मामले के तीन अन्य आरोपित मकर महतो, भगवान महतो और दिनेश चंद्र महतो को अदालत ने आरोप मुक्त कर दिया था। मामले को लेकर युवती ने सिल्ली थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था।

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में हुई बैठक

वर्ष 22-23 में रिकॉर्ड 320924 यूनिट रक्त संग्रह

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक डॉ भुवनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें डीजीएचएस सपोर्टेड रक्त केंद्रों की समीक्षा की गयी। समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 320924 यूनिट रक्त संग्रह किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। यह अब तक विभिन्न वित्तीय वर्षों में किए गए रक्त संग्रह में सर्वाधिक है। समीक्षा बैठक के दौरान डॉ भुवनेश प्रताप सिंह ने सभी रक्त केंद्र पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि संबंधित जिला उपायुक्त से वार्ता कर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कर अधिक से अधिक रक्त संग्रह करें। वैसे निजी अस्पताल जो सरकारी अथवा निजी रक्त केंद्र से रक्त लेते हैं, लेकिन उनके द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन नहीं किया जाता है, वैसे निजी अस्पतालों को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने हेतु संबंधित रक्त केंद्र के पदाधिकारी बैठक करें। स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन के क्रम में मंत्री, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को विशेष रूप से आमंत्रित करें। इससे संबंधित वीडियो यूट्यूब पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्लड स्टोरेज सेंटर को सुचारू करने का निर्देश दिया, ताकि एनीमिया के कारण होने वाले मैटरनल डेथ को रोका जा सके। जिला अस्पतालों में रक्तदान संबंधित होर्डिंग में शतकवीर रक्त दाताओं का फोटो लगाने का निर्देश दिया गया।

बाइक चोरी रोकने के लिए बिना लॉक वाहनों का पुलिस ने कटा चालान

शहर के हर इलाके में चलेगा प्रतिदिन अभियान

वरीय संवाददाता, रांची।

रांची पुलिस ने शहर में बाइक चोरी की घटना को रोकने के लिए एक नई पहल की शुरूआत की है। पुलिस के द्वारा अब उन वाहनों को चिन्हित कर चालान काटा जा रहा है जो सड़क के किनारे खड़े रहते हैं लेकिन बाइक लाक नहीं रहता है। डेली मार्केट थानेदार मधुसूदन मोहक ने शनिवार को पूरे इलाके में ट्रैफिक पुलिस की मदद से दर्जनों वाहन का चालान काटा जो लाक नहीं था। थानेदार का कहना है कि घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता एवं सतर्कता जरूरी है। किसी की भी बाइक चोरी न हो यही हमारा प्रयास है। पुलिस ने लोगों से अपील किया है कि अपने वाहनों को निर्धारित स्टैंड में रखें। हैंडल लाक रखें, वाहन में चाबी नहीं छोड़ें, वाहनों को जहां - तहां खड़ा नहीं करें। वाहनों की सुरक्षा खुद से करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि गाड़ी में चाबी छोड़कर चोरों की मदद न करें।

बड़े अमेरिकी बैंकों को बंपर मुनाफा

वाशिंगटन ।

अमेरिका में बैंकिंग इंडस्ट्री के लिए चल रहे कठिन समय के बावजूद कुछ बड़े अमेरिकी बैंकों ने पहली तिमाही में मुनाफे की सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के सबसे बैंक जेपी मॉर्गन चेज ने रेवेन्यू बढ़ने की सूचना दी। बैंक को 12.6 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। यह एक साल पहले की समान तिमाही से 52 फीसदी की छलांग थी। सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के फेल होने से बड़े बैंकों को फायदा मिला है। जेपी मॉर्गन के ग्राहकों की जमा राशि पिछली तिमाही की तुलना में पहली तिमाही में थोड़ी बढ़ी जबकि कुछ छोटे बैंकों में जमाकर्ताओं रकम निकालने में लगे रहे। छोटे लेंडर्स को उबारने में अग्रणी भूमिका वाले जेपी मॉर्गन के चीफ एग्जीक्यूटिव जेमी डिमन ने कहा कि बैंकिंग की स्थिति 2008 से अलग है क्योंकि इसमें बहुत कम फाइनेंशियल प्लेयर्स और कम मुद्दे शामिल हैं जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। अमेरिका के चौथे सबसे बड़े बैंक वेल्स फार्गो ने भी विश्लेषकों की अपेक्षाओं को पार कर लिया और पहली तिमाही में लगभग 5 अरब डॉलर का मुनाफा दर्ज किया, जो कि एक साल पहले की तुलना में 32 फीसदी ज्यादा है। बढ़ती ब्याज दरों ने बैंक की कमाई को बढ़ा दिया क्योंकि इसके लोन पोर्टफोलियो में वृद्धि हुई। पर्सनल लेडिंग और हायर क्रेडिट-कार्ड बैलेंस में वृद्धि हुई। हालांकि बैंक में जमा राशि पिछली तिमाही से 24 बिलियन या 2 फीसदी कम हो गई। देश के छठे सबसे बड़े बैंक पीएनसी फाइनैंशियल ने कहा कि इंडस्ट्री की अस्थिरता ने उसकी मजबूती के साथ खिलवाड़ किया। पीएनसी ने संकटग्रस्त फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के लिए पिछले महीने की बचाव योजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएनसी की जमा राशि पिछली तिमाही में थोड़ी बढ़ी, लेकिन एक साल पहले की तुलना में कम थी। इसकी आय 9 फीसदी बढ़कर 1.7 अरब डॉलर हो गई। इसका रेवेन्यू 3 फीसदी गिरकर 5.6 अरब डॉलर हो गया। इसके लिए बैंक ने हायर फंडिंग कॉस्ट को जिम्मेदार ठहराया।

खाने के तेल का आयात मार्च में आठ प्रतिशत बढ़कर 11.35 लाख टन

नई दिल्ली ।

खाने के तेल का आयात इस साल मार्च में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 11.35 लाख टन रहा। उद्योग संगठन एसईए ने यह जानकारी दी और मांग की कि घरेलू रिफाइनरियों के हित के लिए कच्चे पाम तेल तथा रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर बढ़ाया जाना चाहिए। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने एक बयान में कहा कि खाद्य तेल का आयात मार्च, 2023 में बढ़कर 11,35,600 टन हो गया, जो पिछले साल मार्च में 10,51,698 टन था। गैर-खाद्य तेल का आयात मार्च, 2023 में गिरकर 36,693 टन रह गया, जो पिछले साल मार्च में 52,872 टन था। खाद्य एवं गैर-खाद्य, दोनों तेलों का संयुक्त आयात मार्च, 2022 में 11,04,570 टन से बढ़कर मार्च, 2023 में 11,72,293 टन हो गया। नवंबर, 2022 से मार्च, 2023 तक खाद्य तेल का आयात बढ़कर 69,80,365 टन हो गया, जो पिछली बार समान अवधि में 56,42,918 टन था। तेल विपणन बाजार नवंबर से अक्टूबर तक चलता है।

गैर खाद्य तेल का आयात 2022-23 के पहले पांच महीनों में घटकर 79,828 टन रह गया, जो 2022-22 की समान अवधि में 1,52,810 टन था। तेल वर्ष 2022-23 के पहले पांच महीनों के दौरान वनस्पति तेलों का समग्र आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 57,95,728 टन की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़कर 70,60,193 टन हो गया। चालू तेल वर्ष के पहले पांच महीनों में आरबीडी (रिफाइंड) पामोलिन का आयात बढ़कर 9.89 लाख टन रहा, जो कुल पाम तेल आयात का लगभग 22 प्रतिशत है। इससे घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा है।

क्रिप्टो संपत्ति से संबंधित मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरतः वित्त मंत्री

- क्रिप्टो संपत्ति से संबंधित मामलों पर एक संश्लेषण पत्र लाया जाएगा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मांग पर जी20 सदस्य देश इस बात पर सहमत हैं कि क्रिप्टो करेंसी को लेकर एक ग्लोबल फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि क्रिप्टो संपत्ति से संबंधित मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है और जी20 देशों को यह सुनिश्चित करना है कि अर्थव्यवस्था को नुकसान से बचाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जाए। वहीं जी20 सदस्य देशों ने कहा कि इससे ना सिर्फ क्रिप्टो से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी बल्कि इसका नियमन भी हो सकेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सदस्य देशों ने इस पर सहमति जताई है और जल्द ही इसे लेकर कार्य योजना बनाई जाएगी। आईएमएफ मुख्यालय में शुक्रवार को जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के साथ क्रिप्टो एसेट्स के मैक्रोफाइनेंशियल इम्प्लिकेशन्स पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने विचार रखे। सीतारमण ने कहा कि समूह देशों ने तत्परता के साथ इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त की है और जी20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान क्रिप्टो संपत्ति से संबंधित मामलों पर एक संश्लेषण पत्र लाया जाएगा जो जिसमें विभिन्न विचारों को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जी20 के सदस्य इस बात को लेकर सहमत हैं कि क्रिप्टो संपत्तियों पर कोई भी कार्रवाई वैश्विक होनी चाहिए। बता दें कि भारत सरकार क्रिप्टो संपत्तियों के नियमन को लेकर काम कर रही है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी इस मांग को उठा रही है। वॉशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों के अलावा निर्मला सीतारमण, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने समूह के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की एक बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में क्रिप्टो करेंसी और उससे जुड़ी चुनौतियों के बारे में बात की गई।

नये मूल्य निर्धारण मानदंड से गैस उत्पादकों की आय घटेगीः एसएंडपी

मुंबई ।

देश की नई गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था से ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी गैस कंपनियों की आय में कमी आएगी। एसएंडपी रेटिंग्स ने यह बात कही। हालांकि, नये मानदंड कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमतों को प्रभावित नहीं करेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियां इस तरह के क्षेत्रों का संचालन करती हैं। सरकार ने छह अप्रैल, 2023 को नये दिशानिर्देशों की घोषणा की थी। इसके तहत सरकार घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतें मासिक आधार पर तय करेगी। ह दर पिछले महीने में भारतीय क्रूड बास्केट का 10 प्रतिशत होगी। सरकार ने गैस कीमत के लिए चार अमेरिकी डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (यूनिट) की निचली सीमा और 6.5 डॉलर प्रति यूनिट की ऊपरी सीमा भी तय की। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि उसको उम्मीद है कि नये गैस मूल्य निर्धारण मानदंडों से कीमतों में अधिक तेजी से संशोधन होंगे। इससे पहले कीमतों की छह महीने में एक बार समीक्षा की जाती थी। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, निचली मूल्य सीमा का मतलब है कि ओएनजीसी अपने गैस उत्पादन पर कम से कम चार डॉलर प्रति यूनिट का मूल्य हासिल कर सकेगी, भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक गैस की कीमतें ऐतिहासिक रूप से कम हो जाएं। इसी तरह कीमतों की ऊपरी सीमा ओएनजीसी के लिए आय में वृद्धि सीमित करेगी। खासतौर से मौजूदा बढ़ी हुई कीमतों के बीच ऐसा देखने को मिलेगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह अनुकूल डेटा और विदेशी निवेशकों की खरीदारी से शेयर बाजार को सहारा मिला और सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद हुए। शुक्रवार 14 अप्रेल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शेयर बाजार बंद रहे। जिसकी वजह से बीते सप्ताह शेयर बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। बीते सप्ताह चारों कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में बढ़त के साथ बंद हुए। बीते चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक शुरुआत हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 43.03 अंकों की बढ़त के साथ 59,876.00 पर खुला और 13.54 अंकों की मजबूती के साथ 59,846.51 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 27.40 अंकों की मजबूती के साथ 17,626.55 पर खुला और 24 अंकों की तेजी के साथ 17624 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 219.59 अंकों की बढ़त के साथ 60,066.10 पर खुला और 311.21 अंकों की बढ़त के साथ 60,157.72 पर बंद हुआ। निफ्टी 80.15 अंकों की बढ़त के साथ 17,704.20 पर खुला और 98.25 अंकों की बढ़त के साथ 17,722.30 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 15.23 अंकों की गिरावट के साथ 60,142.49 पर खुला और 235.05 अंक चढ़कर 60,392.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 14.35 अंक फिसलकर 17,736.65 पर खुला और 90.10 अंकों की बढ़त के साथ 17,812.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 18.71 अंकों की गिरावट के साथ 60,374.06 पर खुला और 38.23 अंकों की बढ़त के साथ 60,431.00 पर बंद हुआ। निफ्टी 2.15 अंकों की गिरावट के साथ 17,814.55 अंकों पर कारोबार खुला और 15.60 अंकों की बढ़त के साथ 17,828.00 पर बंद हुआ। कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स अपने 350 अंकों का नुकसान पाटने में सफल रहा और लगातार नौवें दिन हरे निशान पर बंद हुआ। गुरुवार के दिन बाजार में बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त तेजी दिखी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर 17 प्रतिशत तक उछले जबकि आईडीबीआई बैंक के शेयरों में भी 12 प्रतिशत तक की मजबूती देखी गई।

एचडीएफसी बैंक का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। एचडीएफसी बैंक का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत बढ़कर 12,594.47 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी एवं अंतिम तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी कर इसकी जानकारी दी। पिछले साल की समान अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 10,443.01 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2022 तिमाही की तुलना में एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ घट गया है, जो तीसरी तिमाही में 12,698.32 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में इस निजी बैंक ने 45,997.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 38,052.75 करोड़ रुपये था। बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 19.81 प्रतिशत वृद्धि के साथ 12,047.45 करोड़ रुपये हो गया। एकल आधार पर इसकी कुल आय बढ़कर 53,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इससे पिछले साल यह 41,086 करोड़ रुपये रही थी। ऋण घाटों और अन्य मदों में कुल प्रावधान जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में 2,685.37 करोड़ रुपये रहा, जो जनवरी-मार्च, 2022 तिमाही में 3,312.35 करोड़ रहा था।

ईरान ओमान से भारत तक बढ़ा सकता है उप-समुद्री प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

मुंबई । ईरान समुद्र से गुजरने वाली प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को ओमान से भारत तक बढ़ाने पर विचार कर सकता है। ईरान के आर्थिक संबंधों के उप विदेश मंत्री मेहदी सफारी ने एक बयान में यह बात कही। सफारी ने एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई की एक बैठक में कहा कि ईरान पहले ही ओमान तक इस प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का निर्माण कर रहा है, जिसे भारत में पोरबंदर तक बढ़ाया जा सकता है। एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई ने कहा कि सफारी इस साल 7-10 मई के बीच तेहरान में आयोजित होने वाले ईरान एक्सपो 2023 के प्रचार और 11 प्रमुख श्रेणियों में व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुंबई आए थे। बयान में उप विदेश मंत्री के हवाले से बताया गया कि आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद, भारत ईरान के शीर्ष पांच व्यापार भागीदारों में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत को हमारा निर्यात 2022 में 60 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले दो महीनों में यह 90 प्रतिशत बढ़ा है। इसका मतलब है कि कच्चे तेल के साथ ही दूसरी वस्तुओं का व्यापार भी बढ़ रहा है। ईरान भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उप-विदेश मंत्री ने कहा कि भारत आने का उनका एक मकसद ईरान के दक्षिण में स्थित चाबहार बंदरगाह को बढ़ावा देना था, ताकि इसके जरिए भारत, मध्य एशिया, कॉकेशस क्षेत्र (काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच का क्षेत्र) और यूरोपीय बाजारों तक पहुंच कायम कर सके।

एथर एनर्जी ने 98,183 रुपये में उतारा नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

मुंबई । एथर एनर्जी ने 98,183 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के मूल्य टैग के साथ अपने 450 एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर का एक नया बेस वेरिएंट लांच किया है, जो कंपनी की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक स्कूटर हो गई है। इससे पहले एथर 450 प्लस सबसे सस्ता वेरिएंट था, जिसे कंपनी बंद करने जा रही है। एथर इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के लिए पहले ग्राहकों को 1 लाख 30 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते थे, जो अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की तुलना में काफी महंगी थी। ग्राहक लाख रुपये के अंदर इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की काफी डिमांड करते हैं, उन्हीं ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए एथर लाख रुपये के अंदर बेस वेरिएंट को लांच किया है। हालांकि 98,183 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) जो कीमतें हैं ये सब्सिडी के बाद की हैं। अन्य राज्यों में कीमतों में फर्क देखा जा सकता है। एंट्री-लेवल एथर 450 एक्स में उतने अधिक फीचर्स नहीं मिलते है, जो अपर वेरिएंट में देखने को मिलता है। ई-स्कूटर में राइड मोड्स, पार्क असिस्ट, हिल-होल्ड असिस्ट, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, जीपीएस नेविगेशन और लाइव ट्रैकिंग जैसी फीचर्स को नहीं जोड़ा गया है। यहां तक ये वेरिएंट ओटीए अपडेट को भी सपोर्ट नहीं करता है। 7 इंच का टचस्क्रीन में आपको बेसिक जरूरी फीचर एक्सेस करने के लिए मिल जाएगा। कंपनी ने बैटरी पैक और रेंज से कोई छेड़छाड़ नहीं किया है, इसमें अभी भी उसी 3.7 किलोवॉटप्रतिघंटा बैटरी पैक को बरकरार रखा है, जो सिंगल चार्ज पर 146 किमी की रेंज देने में सक्षम है। इसमें फास्ट चार्जर नहीं लगता है, इसको पूरा चार्ज करने के लिए ग्राहकों को 15 घंटे से अधिक का समय लगेगा।

भारत के रिकॉर्ड 770 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात से उत्साह चरम परः केंद्रीय मंत्री गोयल

- भारत का कुल निर्यात 2022-23 में 770 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया

रोम।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 2022-23 में भारत के रिकॉर्ड 770 बिलियन अमरीकी डालर के निर्यात पर कहा कि इससे भारत का उत्साह चरम पर है और सभी निर्यातकों ने एक साथ आगे बढ़ने का आश्वासन दिया है। गोयल यहां दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा देने के तरीके खोजने और इस विषय में निजी क्षेत्र तथा नेताओं के साथ चर्चा करने के लिए आधिकारिक दौरे पर आए हुए हैं। वह भारत-फ्रांस कारोबारी सम्मेलन में शामिल होने के लिए पेरिस भी गए थे। उन्होंने कहा कि उत्साह बहुत अधिक है और सभी निर्यातकों ने मुझे आश्वासन दिया है कि हम और आगे बढ़ेंगे। भारत-इटली बिजनेस समिट में इस मामले पर गोयल ने कहा कि भारत का कुल निर्यात 2022-23 में 770 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के आंकड़ों की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। यह एक सर्वकालिक उच्च रिकॉर्ड है, जो 2020-21 में 500 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2021-22 में 676 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नरमी देख रही है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में मंदी आ रही है लेकिन भारत ने ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में लगभग 100 बिलियन अमरीकी डालर की और वृद्धि दर्ज करते हुए 770 बिलियन अमरीकी डालर को पार कर लिया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में भारत किसानों और डेयरी क्षेत्र के हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के लिए वार्ता का शीघ्र समापन हो सके इसके लिए इटली और फ्रांस ने पूर्ण समर्थन की पेशकश की है।

उन्होंने बताया कि इटली और फ्रांस में बैठकों के दौरान भारत ने दोनों क्षेत्रों में भिन्न आर्थिक परिस्थितियों और प्रति व्यक्ति आय पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ के व्यवसायों को भारत जिस प्रकार के कारोबारी अवसर दे सकता है वह दुनिया में कोई और नहीं दे सकता।

भारत और मॉरीशस ने की वोस्ट्रो खाता व्यवस्था की समीक्षा

नई दिल्ली । भारत और मॉरीशस ने कारोबारी सौदों का निपटान रुपए में किए जाने संबंधी वोस्ट्रो खाता व्यवस्था और भारतीय यूपीआई प्रणाली एवं रुपे कार्ड को लागू करने से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा की हाल ही में संपन्न हुई तीन-दिवसीय मॉरीशस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पोर्ट लुइस स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारत और मॉरीशस ने फरवरी, 2021 में संपन्न व्यापक आर्थिक सहयोग एवं भागीदारी समझौते से पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया। विदेश सचिव ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद कुमार जगन्नाथ से मुलाकात की थी और व्यापार, निवेश एवं क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। क्वात्रा की यात्रा के दौरान रुपए में विदेश व्यापार करने के लिए वोस्ट्रो खाता खोलने की व्यवस्था और भारत की यूपीआई एवं रुपे कार्ड को मॉरीशस में लागू करने से जुड़े बिंदुओं पर भी चर्चा हुई।

स्टोरों का उद्घाटन करने भारत आ सकते हैं एप्पल के सीईओ टिम कुक

पहला मुंबई में दूसरा दिल्ली में खुलेगा

मुंबई ।

आईफोन निर्माता एपल अगले हफ्ते भारत में अपना पहला स्टोर खोलने जा रहा है। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एपल का बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे साफ होता हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से विकास कर रही है, इतना ही नहीं लोगों की आय में इजाफा हो रहा है। कंपनी की ओर से बताया गया कि एपल का पहला स्टोर मुंबई के कमर्शियल जोन बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में 18 अप्रैल को खुलने जा रहा है। वहीं, दूसरा स्टोर दिल्ली के साकेत में 20 अप्रैल को खुलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एपल के इन नए स्टोर का उद्घाटन करने के लिए कंपनी के सीईओ टिम कुक भारत आ सकते हैं।

अगर ऐसा होता है, तब सात साल के बाद कुक की भारत यात्रा होगी। बता दें, कुक भारतीय स्मार्टफोन मार्केट को लेकर कह चुके हैं। वे काफी बुलिश हैं। एपल की भारतीय प्रीमियम स्मार्टफोन मार्केट में हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत की है। इसके बाद कोरियाई स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से विकास कर रही है। इस वजह यहां प्रीमियम फोन की मांग में भी इजाफा हो रहा है। इस कारण एपल की कोशिश है कि भारत में मार्केट शेयर को बढ़ाया जाए। बता दें, वित्त वर्ष 2021-22 में एपल की भारत से आय 45 प्रतिशत बढ़कर 4.03 अरब डॉलर हो गई है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा भी 3 प्रतिशत बढ़कर 150 मिलियन डॉलर हो गया है।

एपल के ज्यादातर उत्पादों का निर्माण अभी चीन में होता है। यूएस और चीन के बीच तनातनी के चलते एपल की कोशिश वहां से निकलकर अपनी प्रोडक्शन लाइन को दूसरी जगह शिफ्ट करना है। इसी कारण एपल का भारत पर खास फोकस है।

हुंडई मोटर ने भारत में नई एसयूवी एक्सटर की घोषणा की

युवा खरीदारों को ध्यान में रखकर कंपनी ने किया तैयार

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया ने शुक्रवार को अपनी आगामी एसयूवी-हुंडई एक्सटर के नाम की घोषणा की, जो ग्राहकों को स्मार्ट मोबिलिटी अनुभव प्रदान करेगी। कंपनी के अनुसार यह नई एसयूवी एचएमआई की एसयूवी की मजबूत लाइनअप का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, जिसमें पहले से ही वेन्यू, वेन्यू एन लाइन, क्रेटा, अलकाजर, कोना इलेक्ट्रिक, टक्सन और आईओनिक-5 शामिल हैं। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के सीईओ तरुण गर्ग ने एक बयान में कहा कि हमें अपनी नई एसयूवी-हुंडई एक्सटर के नाम की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो युवा खरीदारों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो उन्हें स्मार्ट मोबिलिटी सॉल्यूशन के साथ सशक्त बनाकर उनकी घूमने की इच्छा को पूरा करती है। कंपनी के सीईओ तरुण गर्ग ने कहा कि एसयूवी बॉडी स्टाइल के साथ हुंडई एक्सटर हमारी लाइन अप में 8वां मॉडल है और हमें विश्वास है कि हमारे परिवार का यह नया सदस्य एसयूवी की बिक्री में हमारी वृद्धि को और बढ़ावा देगा। इसके अलावा कंपनी ने उल्लेख किया कि नई हुंडई एक्सटर एसयूवी अपने आसपास की प्राकृतिक दुनिया से प्रेरणा लेती है और एक ऐसी पहचान को दर्शाती है जो बाहरी है और बाहर पर केंद्रित है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड वर्तमान में पूरे भारत में 1336 बिक्री बिंदुओं और 1498 सेवा बिंदुओं के एक मजबूत नेटवर्क के साथ काम करती है।

ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार का 23 अप्रैल से जयपुर में होगा आयोजन

जयपुर । विदेश से भारत आने वाले पर्यटकों के लिए अग्रणी कारोबार नेटवर्किंग मंच ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) का 12वां संस्करण 23 से 25 अप्रैल तक जयपुर में आयोजित होगा। यह आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण तीन साल के अंतराल के बाद हो रहा है। जीआईटीबी का आयोजन केंद्र सरकार और राजस्थान के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से उद्योग मंडल फिक्की कर रहा है। राजस्थान के पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि महामारी के झटके का सामना करने के बावजूद राजस्थान सरकार ने पर्यटन और आतिथ्य को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिससे राज्य में इस क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया है और विपणन एवं अधोसंरचना हेतु पर्यटन विकास कोष हेतु 1500 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के इन कदमों से निवेशक आकर्षित हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मार्ट इस विशाल बाजार में 300 बूथ स्थापित करने वाले 290 भारतीय प्रदर्शकों का गवाह बनेगा। इस दौरान कारोबारों की करीब 11,000 बैठकें होंगी। एक बयान के मुताबिक जीआईटीबी के आयोजन के बाद टूर ऑपरेटरों को जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर और सवाई माधोपुर सहित विभिन्न पर्यटक स्थलों के दौरे पर ले जाया जाएगा। बयान के अनुसार, इस आयोजन में विभिन्न देशों से आने वाले टूर ऑपरेटरों के लिए पर्यटन के नए अवसर एवं आकर्षण होंगे।

डॉक्टर आंबेडकर समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए बराबर संघर्षरत रहे : पुरुषोत्तम

औरंगाबाद। औरंगाबाद प्रखंड के बेला पंचायत के रामनगर में भारत के संविधान निमार्ता भारत रत्न सामाजिक समरसता के प्रतीक डॉ.भीमराव आंबेडकर जी की 132वीं जयंती समारोह भाजपा नेता रघुनाथ राम की अध्यक्षता में मनाया गया ।सर्वप्रथम डॉ आंबेडकर जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित करते हुए वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए बराबर संघर्ष किए बाबासाहेब विश्वमानव थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों एवं वंचितों के सेवा में समर्पित किया। समाज के कमजोर वर्गों का उत्थान और सशक्तिकरण उनका जीवन का मूल मंत्र था उन्होंने देश को ऐसा संविधान दिया जो ना सिर्फ एक वैधानिक मार्गदर्शक है बल्कि एक सामाजिक दस्तावेज भी है ।बाबासाहेब ने कहा था कि मैं मानता हूं कि धर्म मानवता के लिए आवश्यक है यदि धर्म समाप्त होगा तो समाज का भी पतन होगा। आज बाबासाहेब के आदर्शों एवं संदेशों को बढ़ाने

का निरंतर प्रयास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया जा रहा है ।लंबे समय तक बाबासाहेब अंबेडकर के नाम पर राजनीतिक हित साधने वाले ने उनके विचारों को कभी भी मूर्त रूप नहीं दिया लेकिन आज नरेंद्र मोदी जी बाबा साहेब के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ का रूप दिया जिससे सामाजिक न्याय की दिशा में काम करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता रघुनाथ राम एवं वार्ड पार्षद सुशील कुमार ने कहा कि बाबा साहेब महान दार्शनिक राजनीतिक एवं समाज सुधारक थे बाबासाहेब के आदर्शों को हम सभी को मिलकर आगे बढ़ाना है जिससे सामाजिक न्याय से लेकर कर्तव्य बोध तक नीचे समाहित हो। आज नरेंद्र मोदी जी सबका साथ सबका विकास का मूल मंत्र देकर देश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं ।कार्यक्रम में विनोद सिंह राकेश कुमार देवता अमर उजाला टुना प्रसाद गुप्ता रितिक कुमार मिश्रा दीपक कुमार कपिलदेव कुमार शीला देवी रूबी कुमारी प्रिंस राज अनन्या रानी उमेश कुमार ममता कुमारी राजेश कुमार प्रमिला देवी सहित अन्य लोगों ने उपस्थित होकर बाबासाहेब के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई डॉ.अंबेडकर की 132वीं जयंती

औरंगाबाद : राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 132 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया। बाबासाहेब आंबेडकर दुनिया के सबसे ज्यादा डिग्री वाले दार्शनिक समाज सुधारक विधि वेता भारतीय संविधान के जनक के रूप में जाने जाते हैं 1990 में इन्हें भारत रत्न के उपाधि से सम्मानित किया गया लेकिन आज बाबा साहब के संविधान को समाप्त करने की साजिश केंद्र सरकार के द्वारा की जा रही है भारत की प्रजातांत्रिक व्यवस्था खतरे में है बाबा साहब ने बहुत ही मेहनत और कई देशों के संविधान का अध्ययन के उपरांत भारत की संविधान की रचना की जो देश ही नहीं दुनिया के सबसे बड़ा और उच्च कोटि का संविधान बना जाता है इस संविधान में सभी वर्गों का ख्याल किया गया समाज की पिछली पंक्ति में बैठे लोग दलित उपेक्षित पिछड़ा अति पिछड़ा अल्पसंख्यक महिला श्रमिक किसान सभी लोगों को ध्यान में रखकर भारत का यह महत्वपूर्ण संविधान की रचना की गई इसकी तुलना दुनिया के किसी संविधान से नहीं किया सकती है भारत वासियों को गर्व होनी चाहिए बाबा साहब के ऊपर। राष्ट्रीय जनता दल बाबा साहब के सपने को पूरा करने के लिए कृत संकल्प है और भारतीय संविधान की रक्षा में राजद का एक-एक सिपाही अपनी शहादत देकर करने का वचनबद्ध है भारत का संविधान देश की आत्मा है आज देश के अंदर कुछ राजनीतिक घटनाओं से संविधान को ठेस पहुंचा है और अगर भारतीय संविधान की रक्षा करनी है तो 24 में होने वाले लोकसभा चुनाव में वर्तमान भाजपा की सरकार को सभी अंबेडकरवादी लोग मिलकर सत्ता से बेदखल करने का काम करें सभी लोगों को भारत की संविधान को बचाने के लिए राष्ट्रहित में संगठित होने की आवश्यकता है

मिशन रक्तदान हिंदुस्तान के तहत पथ प्रदर्शक का दरभंगा में 13वां रक्तदान शिविर आयोजित

औरंगाबाद। रक्तदान एवं रक्तक्रांति के प्रयास में लगी औरंगाबाद की स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक का मिशन रक्तदान हिंदुस्तान के तहत मिथिला रक्तदान समूह,दरभंगा के तत्वावधान में दरभंगा में तेरहवां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।रक्त वीरांगना रचना विभा झा एवम उनकी संस्था मिथिला रक्तदान समूह के सहयोग से दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल दरभंगा के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन संपन्न हुआ।मिशन रक्तदान हिन्दुस्तान का उद्देश्य पूरे भारत में रक्त की कमी को दूर करने हेतु युवाओं एवम युवतियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का है।इस अभियान का शुभारंभ औरंगाबाद की स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा 4 जुलाई 2021 को औरंगाबाद के माननीय सांसद सुशील कुमार सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया था।इस मिशन के तहत अभी तक पथ प्रदर्शक द्वारा बिहार, झारखण्ड,पश्चिम बंगाल,पंजाब एवं हरियाणा के तेरह शहरों में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन कराया गया है।इसी क्रम में मिथिला रक्तदान समूह संस्था दरभंगा के सहयोग से डीएमसीएच ब्लड बैंक, में मिशन रक्तदान हिंदुस्तान का तेरहवां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।शिविर का उद्घाटन करनाल,हरियाणा के रक्तनायक कैप्टन डॉ सुरेश सैनी,ब्लड बैंक प्रभारी डॉ संजीव कुमार,पथ प्रदर्शक के सचिव बमेंद्र कुमार सिंह,मिथिला रक्तदान समूह की रचना विभा झा एवम वीबीडीए गढ़वा के अध्यक्ष विवेक तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।मिशन रक्तदान हिंदुस्तान अभियान के संचालक बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रक्त की कमी से किसी की मौत न हो,इसके लिए देश में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इस अभियान को शुरू किया गया है।रक्त संकट को दूर करने में युवाओं की अहम भूमिका है और इसके लिए युवाओं एवम युवतियों को आगे आना होगा।हमारा अभियान अभी जारी रहेगा एवम अलग

अलग राज्यों एवम शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित कर युवाओं को जागरूक किया जाएगा।मिशन रक्तदान हिंदुस्तान में सहयोग कर रही रचना विभा झा ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि रक्तदान के प्रति राष्ट्र जागरूकता के लिए प्रयास कर रही संस्था पथ प्रदर्शक के साथ रक्तदान शिविर आयोजित करने का अवसर मिला।शिविर में कुल 23 युवतियों एवं युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

दाउदनगर भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती मनाई

दाऊदनगर (औरंगाबाद)। रा कादरी मध्य विद्यालय,दाउदनगर के प्रांगण में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती मनाई गई जिसमें विद्यालय के शिक्षकों,छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय आम नागरिकों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया । उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर ने न सिर्फ भारतीय संविधान का निर्माण किया बल्कि उन्होंने आधुनिक भारतीय राष्ट्र की आधारशिला भी रखी जिनकी बुनियाद पर आज का आधुनिक भारत खड़ा है । उन्होंने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर सिर्फ दलितों के नेता नहीं थे बल्कि आधुनिक भारतीय राष्ट्र-राज्य के निमार्ता भी थे । उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विद्यालय के शिक्षक अनुज कुमार पाण्डेय ने कहा कि आज का संपूर्ण भारत बाबा साहेब अंबेडकर का ऋणी है; क्योंकि हमलोग आज जो कुछ भी हैं वह इन्हीं के चलते हैं । उपर्युक्त लोगों के अलावा विद्यालय की शिक्षिका- निशी कुमारी,पुनिता अम्बष्ठा, शिक्षक - शिवपूजन कुमार,इत्यादि शिक्षकों ने भी उपस्थित लोगों संबोधित किया । इनके अलावा शिक्षक शाहनवाज आलम,शबनम खातून, रुकसाना प्रवीण,इत्यादि शिक्षक-शिक्षिकाएं भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। इनके पूर्व विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं,शिक्षकों,अन्य कर्मियों तथा उपस्थित आम नागरिकों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर के उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । इस अवसर पर विद्यालय की ओर से छात्र-छात्राओं को पाठ्य-पुस्तकें भी वितरित की गई ।

इफ्तार कोई पार्टी नही इबादत और प्रार्थना करने का शुभ अवसर: समीर

डेहरी। स्थानीय एनीकट रोड स्थित मिलन रेस्टुरेंट में डेहरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी सह जन अधिकार पार्टी (लो०) के प्रदेश महासचिव समीर कुमार के द्वारा रमजान के मुकद्दस मौके पर दवात-ए-इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। समीर ने बताया कि पवित्र रमजान के महीने में आयोजित इस दावत-ए-इफ़्तार में सभी रोजेदारों व अतिथियों के साथ सामूहिक दुआ में सम्मिलित होकर उन्होंने देश की तरक्की, खुशहाली, प्रगति, अमन-चैन, आपसी भाईचारे एवं मोहब्बत के लिए सभी को वे हर्षित हृदय से आमंत्रित किया थे। समीर ने कहा कि उन्होंने यह अपील किया था कि संयम, समर्पण एवं अनुशासन के साथ अधिक से अधिक संख्या में रोजेदारों, विभिन्न पार्टियों के कार्यकताओं का स्वागत है और उनके आग्रह को स्वीकार कर सैकड़ो लोगो ने इस कार्यक्रम में शिरकत कर उनका हौसला अफजाई किया। समीर ने कहा कि अमन-चैन, सद्भाव और सौहार्द

को पसंद नहीं करने वाले कुछ नफरती लोग शायद यह नहीं जानते कि इफ़्तार कोई पार्टी नहीं बल्कि इबादत और प्रार्थना करने का शुभ अवसर है जिसमें सभी लोग सकारात्मक मनोभाव से देश-प्रदेश की खुशहाली और तरक़्क़ी की कामना करते है। ज्ञात हो कि पूर्व विधायक प्रत्याशी सभी धर्म का सम्मान करते हैं और एक यूथ आइकॉन की तरह नित्य अपने द्वारा किए सामाजिक कार्यों से क्षेत्र में चर्चा का विषय बने रहते हैं। समीर ने बताया कि इस पावन कार्यक्रम में उन्हें सैफुल हक, कुंदन खान, इरशाद रब्बानी, जावेद अहमद जैसे कई अन्य मुश्लिम भाइयों के साथ मुख्य रूप से ललित सिन्हा, धनु श्रीवास्तव, आलोक सिंघानिया जैसे अन्य कई हिन्दू भाइयों का भी भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ है !! समीर ने इस मुकद्दस मौके पर शामिल होने वाले लोगो को हृदय से धन्यवाद दिया। मौके पर विभिन्न मदरसों के आलिम, मस्जिदों के इमाम, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, अनुमण्डल प्रशासन से जुड़े लोगों ने समारोह में शामिल हो कार्यक्रम में चार-चांद लगाया जिससे प्रशन्न हो समीर ने सबके प्रति आभार प्रकट किया और सदैव समाज के सभी वर्गों को जोड़े रखने के लिए ऐसे पवित्र आयोजनों को आयोजित करते रहने का वचन दिया।

जिले के हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटरों पर हो रही है टीबी के मरीजों की खोज : सीएस

बेतिया। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर तरीके से लागू करने और लोगों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से अब हर महीने की 14 तारीख को सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने बताया कि जिले के सभी आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर महिलाओं व आम लोगों की बीपी, शुगर, की जाँच के साथ दवाएं वितरित की गई। उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग के साथ ही टीबी के मरीजों की खोज की जा रही है। वहीँ टीबी के लक्षण वाले मरीजों की बलगम की जाँच की सलाह के साथ ही निक्षय पोषण अभियान के बारे में जागरूक करते हुए विशेष जोर दिया जा रहा है। नरकटियागंज के गोखुला में स्वास्थ्य कर्मियों व आशा के सहयोग से सुबह में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को टीबी की पहचान व उसके लक्षण के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि 2 हफ्ते से ज्यादा समय से खाँसी हो, बुखार हो, वजन लगातार घटे तो सरकारी अस्पताल में टीबी की जाँच कराएं। यह पूर्णतः निःशुल्क है। टीबी की दवाओं के सेवन से टीबी ठीक हो जाती है। केएचपीटी की जिला प्रतिनिधि मेनका सिंह ने बताया कि बेतिया, मझौलिया, गौनाहा, बगहा, सहित कई प्रखंडों के स्वास्थ्य केंद्र पर टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान उनके बलगम सैंपल कलेक्ट किए गए।

पटना में करोड़ों की ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

पटना के पत्रकार नगर थाने की पुलिस ने शुक्रवार को तीन शातिरों को हिरासत में लिया। बाइपास रोड के समीप रूटीन चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीनों को पकड़ा। इन पर नौकरी के नाम पर ठगी करने का आरोप लगा था। वहीं, इस दौरान एक शातिर फरार होने में सफल रहा। पकड़े गए शातिरों में विक्की, सतीश और रणधीर शामिल हैं। छानबीन में पुलिस को इनकी कार पर पुलिस का स्टिकर चिपका हुआ मिला। वहीं, कार के अंदर से दो रजिस्टर और तीन मोबाइल फोन बरामद किया गया। जहां दोनों रजिस्टर में करोड़ों रुपए के लेन-देन का हिसाब मिला। उधर, जब देर रात शातिरों की प्रारंभिक छानबीन की गई तो पता चला कि तीनों शातिर एडमिशन के नाम पर ठगी का खेल चलाते थे। तीनों देश के किसी भी कॉलेज में दाखिला या उसकी डिग्री दिलवाने के नाम पर पैसे एठते थे।

संक्षिप्त -समाचार

देश में निरंतर हो रहा औद्योगिक विकास : नंदकिशोर

पटना, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का निरंतर औद्योगिक विकास हो रहा है, जिससे निर्यात में बढ़ोतरी हुई है और आयात में लगातार कमी आ रही है। श्री यादव ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि देश में फरवरी 2023 के औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। इस साल जनवरी में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल फरवरी में 1.2 प्रतिशत थी। श्री यादव ने कहा कि औद्योगिक विकास से देश के आर्थिक और सामाजिक हालात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। औद्योगिक विकास से युवाओं को रोजगार मिलता है, जिससे समाज में खुशहाली आती है। श्री यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में युवा को एक नयी रोशनी मिली है। पीएम मोदी ने गुरुवार को रोजगार मेला में 71 हजार युवाओं को नियुक्त पत्र वितरित कर मिसाल कायम की है। मोदी सरकार में यह सिलसिला जारी रहेगा।

16 अप्रैल 2023 को होगी हम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक : राजेश पांडेय

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने बताया कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अब 16 अप्रैल 2023 (रविवार) को सुबह 10:00 बजे पटना गांधी मैदान के निकट होटल पनास में होगी। प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार में अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की अध्यक्षता में होने वाली है। 16 अप्रैल 2023 (रविवार) को समय 10:00 बजे (से०) होने वाली बैठक में पार्टी के संस्थापक संरक्षक बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की गरिमामय उपस्थिति में हम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अब पटना के होटल पनास में की गजाएगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लिए जाएंगे।

डीएम ने डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी, सुहर्ष भगत, अपर समाहर्ता आशीष कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त अभयेंद्र मोहन सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मंजू प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद गजाली एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाबासाहेब डा भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर समाहरणालय स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।इसके अलावा राजकीय अंबेडकर आवासीय बालिका विद्यालय, सिलार, औरंगाबाद एवं राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास औरंगाबाद के परिसर में बाबासाहेब डा भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता आशीष कुमार सिन्हा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी नीलम मिश्रा, वरीय उप समाहर्ता मनीष कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर इन वरीय पदाधिकारियों द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इसके बाद अपर समाहर्ता द्वारा छात्रावास में उपस्थित छात्राओं से मुलाकात की गई एवं छात्रावास में आवासित सभी छात्राओं से पूरी लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

समस्तीपुर में दादा-पोता पर एसिड से हमला

समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाने के राजखंड गांव में घर के बाहर सो रहे दादा-पोते पर एसिड से हमला किया गया है। इस घटना में दोनों जख्मी हो गए हैं। जख्मी की पहचान राजखंड गांव निवासी विशेश्वर पाल(55) और उनके पोते रवि कुमार (4) के रूप में हुई है। दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद दरभंगा रेफर कर दिया गया है। घटना शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे की बताई जा रही है बताया जाता है कि विशेश्वर पाल का अपने ही रिश्तेदारों से जमीन से लेकर विवाद चल रहा है। कुछ दिनों पहले उनके साथ मारपीट की भी घटना हुई थी। इस घटना को भी मारपीट की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। गुफस्सिल थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा ने बताया कि विशेश्वर पाल का अपने ही रिश्तेदार से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि रात के करीब ढाई बजे दादा-पोते पर एसिड फेंका गया है। सूचना पर पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, पीड़ित की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। पीड़ित उपचार कराने के लिए डीएमसीएच गए हैं।

लालू के करीबी पूर्व विधायक के बेटे की हत्या

औरंगाबाद में लालू यादव के करीबी पूर्व विधायक के बेटे दिवाकर (35) की शुक्रवार रात हत्या कर दी गई। अरवल से राजद के पूर्व विधायक रवींद्र सिंह के छोटे बेटे दिवाकर कुमार को 4 गोलियां मारी गईं। हत्या के वक्त दिवाकर खलिहान में सो रहा था।दिवाकर की मां ने पूर्व विधायक पर ही हत्या कराने का आरोप लगाया है। विधायक की पहली पत्नी और दिवाकर की मां उषा शरण ने दावा किया कि रवींद्र सिंह के गुर्गों ने ही उनके बेटे की हत्या की है। हम दोनों मां-बेटे उनके अफेयर और गलत हरकतों का विरोध करते थे। औरंगाबाद के दाउदनगर नगर के हिछन बिगहा गांव में शुक्रवार की रात अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने गांव की बिजली काट दी थी।

चंपारण सत्याग्रह के 106 साल जिसने दिखाई आजादी की राह

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में चंपारण सत्याग्रह का प्रमुख महत्व है। यही वह सत्याग्रह है, जिसने मोहनदास करमचंद गांधी को महात्मा गांधी बना दिया। और यही वो सत्याग्रह है जिसने भारत को आजादी की राह दिखाई। 15 अप्रैल, 1917 को गांधी के मोतिहारी आगमन के बाद बिना किसी धरना, प्रदर्शन व अस्त्र- शस्त्र के प्रयोग के अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध शुरू किया गया किसानों का यह सत्याग्रह पूरी तरह सफल रहा। यह उन दिनों की बात है जब प्रथम विश्वयुद्ध चल रहा था। फिरंगियों के अत्याचार और शोषण से पूरे देश के साथ बिहार के चंपारण (बेतिया और मोतिहारी) जिले के किसान त्रस्त थे। उनकी जमीन पर जबरन नील की खेती करवाई जा रही थी। नील की खेती से न सिर्फ किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि की उर्वरता नष्ट हो रही थी, अपितु किसान अपने भोजन के लिए आवश्यक खाद्यान भी पैदा नही कर पा रहे थे।तीनकठिया प्रथा यानी एक बीघे जमीन में तीन कठ्ठा नील की खेती के साथ ही मनमाने करों की वसूली की जा रही थी। शोषण, पीड़ा और अत्याचार के विरुद्ध भीतर ही भीतर चिंगारी भी सुलग रही थी। चंपारण की पीड़ा पर गणेश शंकर विधार्थी के प्रताप अखबार में अग्रलेख छपने लगे । इसी बीच चंपारण के एक साधारण किसान राजकुमार शुक्ल ने पत्रकार पीर मोहम्मद मुनीस, लोमराज सिंह, संता राउत सहित अपने जैसे अन्य कई और किसानों को लामबंद करना शुरू किया। अंग्रेजों को इसकी भनक लगी तो इन लोगों को जेल में डाल दिया गया। लेकिन इन लोगों ने हार नहीं मानी। बाहर आने पर फिर अपने अभियान में शुरू हो गए। इनके पास कोई रास्ता नहीं बचा तो देश के किसी बड़े नेता को चंपारण लाने की ठानी गई। पहले वे बाल गंगाधर तिलक और फिर मदन मोहन मालवीय के पास भी गए। आखिर में राजकुमार शुक्ल इस संबंध में महात्मा गांधी से मिले और उनसे चंपारण में आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। इसके बाद जो हुआ, वो भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक के रूप में दर्ज है। गांधी ने चंपारण को सत्य और अहिंसा का प्रयोगशाला बनाया। गांधी अपनी जीवनी "सत्य के प्रयोग" में लिखते है- वहां जाने से पहले मैं चंपारण का नाम भी नहीं जानता था। नील की खेती होती है, यह सोचा भी नहीं था। राजकुमार शुक्ल नाम के चंपारण के एक किसान ने उनका पीछा किया और वकील बाबू (उस वक्त बिहार के नामी वकील और जयप्रकाश नारायण के ससुर ब्रजकिशोर प्रसाद) के बारे में कहते कि वे सब हाल बता देंगे। साथ ही चंपारण आने का निमंत्रण देते। यह क्रम चलता रहा और आखिर में मुझे चंपारण जाना ही पड़ा। गांधी के चंपारण पहुंचते ही अंग्रेज अफसरों के होश उड़ने लगे। उन्होंने महात्मा गांधी को जिला छोड़ने का आदेश दे दिया, लेकिन गांधी किसानों को इंसाफ दिलाने की ठान चुके थे। गांधी ने जिला छोड़ने से मना कर दिया।

कोरोना से सावधान

कोरोना के मामले फिर हमें चिंता में डालने लगे हैं। प्रतिदिन मामले जब 10,000 से ज्यादा आने लगे हैं, तब सावधानी स्वाभाविक है। कुल मामले 50,000 के करीब पहुंच गए हैं। लगातार पांच दिन से छलांग जारी है। शुक्रवार को कोविड-19 के 11,109 नए मामले दर्ज किए गए। चिंता यह भी है कि एक बार मरने वालों की संख्या कुछ बढ़ी है। एक दिन में 29 मौतें सावधान करने के लिए काफी हैं। यह बात सही है कि इनमें से ज्यादातर लोग पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित थे, लेकिन यह भी अपने आप में डराने वाली बात है। देश में अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की संख्या भी अच्छी खासी है। अभी के समय में अगर देखें, तो लगभग हर घर में लोग जुकाम और ज्वर से पीड़ित हैं। ज्यादातर लोग स्वस्थ हो रहे हैं, पर जिनकी हालत बिगड़ रही है, उनके लिए अस्पतालों को अतिरिक्त सतर्क रहना चाहिए। देश में दस से ज्यादा राज्यों में कोरोना संबंधी सतर्कता में इजाफा करना पड़ा है। जांच के साथ परस्पर दूरी बरतने और मास्क की भी वापसी दिख रही है। क्या हमें फिर घरों में कैद होना पड़ेगा? नहीं, संक्रमण की इस लहर का सामना हमें बिना डरे, पूरी मुस्तैदी के साथ करना होगा। सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भी सरकार ने केवल कोरोना पीड़ितों को सेवा देने वाले अस्पतालों को सक्रिय करने के आदेश दिए हैं। अस्पतालों में मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग किए जाने के निर्देश हैं। स्थानीय निकाय चुनाव के मद्देनजर भी उत्तर प्रदेश में सतर्कता जरूरी है। चुनाव आयोग को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कहीं भी भीड़ असुरक्षित ढंग से न जुटने पाए, इसके लिए हरसंभव दिशा-निदेर्शों का समय रहते जारी होना जरूरी है। उत्तर प्रदेश में लगभग 1,800 सक्रिय मामले हैं और सकारात्मकता दर अप्रैल में अब तक 0.65 प्रतिशत रही है। यह भी ध्यान रखना होगा कि ज्यादातर पीड़ित जांच नहीं करा रहे होंगे। जहां जांच की सुविधा सुलभ नहीं है, वहां सरकार को पहल करनी चाहिए और इसके अलावा पीड़ितों या लक्षण वाले लोगों को अपने स्तर पर सतर्कता बरतनी चाहिए। बिहार में भी कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। अभी प्रतिदिन दर्ज मामलों की संख्या 60 के करीब है, लेकिन इनमें से आधे मामले अकेले पटना के हैं, मतलब पटना में लोग जांच करा रहे हैं।

साकार हो रहे हैं बाबासाहेब के सपने

विश्लेषण

✍ विष्णुदत्त शर्मा

भीमराव जी जब बालक थे, तब उनकी प्रतिभा को एक शिक्षक ने पहचाना और उन्हें अपने घर ले गए। पुत्रवत पालन करते हुए उत्कृष्ट शिक्षा दी। वह शिक्षक निश्चित ही जातिगत संकुचन की दृष्टि से विचार करें तो सामान्य वर्ग से आते थे, लेकिन उन्होंने कभी इस बात पर विचार नहीं किया कि भीमराव अन्य किसी समाज से आते हैं। गुरु और शिष्य के संबंध श्रद्धा से इस तरह सराबोर हुए कि शिष्य भीमराव ने स्वतः ही अपने गुरु को अपने नाम के साथ जोड़ा। ऐसी घटनाएं भारतीय सामाजिक समरसता का उत्कृष्टतम उदाहरण हैं। इतना ही नहीं आंबेडकर जी को उच्च शिक्षा के लिए जब विदेश जाना था तो बड़ौदा राज्य के महाराज सयाजीराव गायकवाड़ ने स्वयं आगे आकर उन्हें कोलंबिया यूनिवर्सिटी भेजने की सारी आर्थिक व्ययवस्थाएं कीं। आंबेडकर जी जब कोलंबिया से लौटे तो उन्हें बड़ौदा राज्य की लेजिस्लेटिव अंसेबली का सदस्य बनाया गया। इतना ही नहीं बड़ौदा राज्य में अनुसूचित जाति के लोगों के चुनाव लड़ने और महिलाओं के अधिकारों को सशक्त करने की दिशा में कानून बनाए गए। निश्चित ही डॉ. आंबेडकर जी भारत माता की एक मेघावी संतान के रूप में उभरकर सामने आए और उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव के विरुद्ध जबरदस्त बौद्धिक शंखनाद किया, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस और उनकी सरकारों के कारण अपने जीवनकाल में 26 उपाधियां प्राप्त करने वाले आंबेडकर जी के नाम पर एक तरफ तो सामाजिक बंटवारे का ताना बाना बुना गया और दूसरी तरफ आंबेडकर जी के व्यक्तित्व को सम्मान देने में भी ओछी हरकतें की गईं।

समाज किसी की जयंती तभी मनाता है जब उस व्यक्ति ने समष्टि के हित में एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ समाज के बारे में चिंतन किया हो अथवा अपने कृतित्व से उसका निर्माण किया हो। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवनकाल पर दृष्टि डालते हैं तो यही ध्यान में आता है कि हर कालखंड में कुछ श्रेष्ठ लोग समाज के बीच पैदा होने वाली कुरीतियों, अमानवीय परंपराओं और विघटनकारी ताकतों के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजाते हैं और प्रेरणा के एक स्थायी पुंज के रूप में वर्षों-वर्ष तक समाज का मार्गदर्शन कर जाते हैं। डॉ. आंबेडकर उन महामानवों में शामिल हैं, जिन्होंने समाज के प्रत्येक अंग को संसाधन और सम्मान दिलाने के लिए अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया। आज दुर्भाग्य से समाज में विघटन की कुचेष्टा रखने वाले तमाम व्यक्ति और संगठन बाबासाहेब के संघर्ष और दर्शन को नकारात्मक रूप से प्रस्तुत कर समाज में स्थायी रूप से विवादों को जिंदा रखना चाहते हैं, लेकिन संतोष की बात यह है कि आज समाज हर विषय को अध्ययनशीलता और तर्क के आधार पर समझने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अध्ययन के आधार पर जब बात होती है तो ध्यान में आता है कि हर कालखंड में श्रेष्ठ लोग श्रेष्ठ कार्य ही करते हैं और नकारात्मक लोग नकारात्मकता फैलाते हैं। निश्चित ही डॉ. आंबेडकर के कालखंड में सामाजिक कुरीतियां भयावह रूप से फैली हुईं थीं। अस्पृश्यता और शोषण के साये में अमानवीय व्यवहार सामान्य तौर पर दिखाई देते थे, लेकिन उसी कालखंड में भीमराव जी को डॉ. भीमराव अंबेडकर बनाने में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले श्रेष्ठजनों का योगदान भी विशेष उल्लेखनीय है।

भीमराव जी जब बालक थे, तब उनकी प्रतिभा को एक शिक्षक ने पहचाना और उन्हें अपने घर ले गए। पुत्रवत पालन करते हुए उत्कृष्ट शिक्षा दी। वह शिक्षक निश्चित ही जातिगत संकुचन की दृष्टि से विचार करें तो सामान्य वर्ग से आते थे, लेकिन उन्होंने कभी इस बात पर विचार नहीं किया कि भीमराव अन्य किसी समाज से आते हैं। गुरु और शिष्य के संबंध श्रद्धा से इस तरह सराबोर हुए कि शिष्य भीमराव ने स्वतः ही अपने गुरु को अपने नाम के साथ जोड़ा। ऐसी घटनाएं भारतीय सामाजिक समरसता का उत्कृष्टतम उदाहरण हैं। इतना ही नहीं आंबेडकर जी को उच्च शिक्षा के लिए जब विदेश जाना था तो बड़ौदा राज्य के महाराज सयाजीराव गायकवाड़ ने स्वयं आगे आकर उन्हें कोलंबिया यूनिवर्सिटी भेजने की सारी आर्थिक व्ययवस्थाएं कीं। आंबेडकर जी जब कोलंबिया से लौटे तो उन्हें बड़ौदा राज्य की लेजिस्लेटिव अंसेबली का सदस्य बनाया गया। इतना ही नहीं बड़ौदा राज्य में अनुसूचित जाति के लोगों के चुनाव लड़ने और महिलाओं के अधिकारों को सशक्त करने की दिशा में कानून बनाए गए। निश्चित ही डॉ. आंबेडकर जी भारत माता की एक मेघावी संतान के रूप में उभरकर सामने आए और उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव के विरुद्ध जबरदस्त बौद्धिक शंखनाद किया, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस और उनकी सरकारों के कारण अपने जीवनकाल में 26 उपाधियां प्राप्त करने वाले आंबेडकर जी के नाम पर एक तरफ तो सामाजिक बंटवारे का ताना बाना बुना गया और दूसरी तरफ आंबेडकर जी के व्यक्तित्व को सम्मान देने में भी ओछी हरकतें की गईं। बाबासाहेब जब 1952 में पहला लोकसभा चुनाव लड़े तब उन्हें हराने के लिए पंडित नेहरू और पूरी कांग्रेस ने पूरे प्रयास किए। 1954 में भी फिर से उन्हें चुनाव हराया गया। कांग्रेस आंबेडकर जी के नाम पर रोटियां तो सेंकती रही, लेकिन देश को यह जानना जरूरी है कि यदि वे कानून मंत्री बने तो उसका कारण राष्ट्रीय सरकार का गठन था, न कि कांग्रेस की कृपा। कांग्रेस की चलती तो बाबासाहेब कभी सदन में नहीं पहुंच पाते। वे तो अन्य दलों की मदद से बंगाल से राज्यसभा के सदस्य चुने गए। आंबेडकर जी जो चाहते थे, पंडित नेहरू उसी बात का विरोध करते थे। आंबेडकर जी नहीं चाहते थे कि अनुच्छेद 370 का प्रावधान संविधान में हो, लेकिन पंडित नेहरू, शेख अब्दुल्ला और कृष्णा स्वामी जैसे कांग्रेस के नेताओं ने अत्यंत आग्रह किया तब आंबेडकर अस्थायी रूप से इसको जोड़ने पर सहमत हुए। दुर्भाग्य से कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में यह कह दिया कि अनुच्छेद-370 कभी नहीं हटेगी। आंबेडकर जी देशद्रोह को लेकर कठोरतम कानून के पक्षधर थे, लेकिन कांग्रेस है कि घोषणा पत्र में आईपीसी की धारा 124ए हटाने का वचन देती है। स्पष्ट रूप से जहां डॉ. आंबेडकर भारत विभाजन के विरुद्ध थे, वहीं कांग्रेस ने भारत विभाजन को स्वीकार किया। कुल मिलाकर आंबेडकर जी ने जो चाहा, कांग्रेस ने उसका उल्टा किया। डॉ. आंबेडकर के जीवनकाल में तो कांग्रेस उनके साथ बुरा बर्ताव करती ही रही, मरणोपरांत भी उस महामानव को सम्मान देने का एक भी काम नहीं किया। जब देश में पंडित नेहरू, इंदिरा आदि को जीवनकाल में भारत रत्न दिए जा चुके थे, तब भी संविधान निमार्ता की सुध किसी ने नहीं ली। भाजपा के सहयोग से जब वीपी सिंह की सरकार बनी तब भाजपा की पहल पर बाबासाहेब को भारत रत्न दिया जा सका। महू की जन्म भूमि हो, नागपुर की दीक्षा भूमि हो, निर्वाण स्थली हो, वह स्थान जहां बाबासाहेब ने विदेश में पढ़ाई की और वह भवन जहां संविधान लिखा गया, उन सभी को तीर्थ बनाने का काम यदि किसी ने किया है तो वह भाजपा की सरकारों ने और पार्टी के नेताओं के बाबासाहेब के प्रति आदर भाव ने किया है। सच तो यह है कि वंचित समाज को सम्मान और संसाधन देने के लिए जो संघर्ष बाबासाहेब ने किया, उसी प्रकार का अंत्योदय का विचार पं. दीनदयाल उपाध्याय ने प्रतिपादित किया। इन दोनों महापुरुषों का संघर्ष और सिद्धांत देश में लगातार कांग्रेस की सरकार रहने के कारण फलीभूत नहीं हो सका, लेकिन आज यह आनंद की बात है कि देश में और अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं और बाबासाहेब तथा पंडित दीनदयाल ने जैसे समाज का सपना देखा था, उसे साकार करने में पूरी ताकत झोंकी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास से लेकर, उजाला, उज्ज्वला, आयुष्मान, राशन, स्टार्टअप, स्टैंडअप ऐसी अनगिनत योजनाएं हैं, जो सबको सम्मान और संसाधन देने की दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं। हमारी सरकारों के यह प्रयास ही बाबासाहेब के श्रीचरणों में सच्ची श्रद्धांजलि है।

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हैं।)

एनकाउंटर पर सवाल क्यों?

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने अतीक जैसे माफिया को घुटनों के बल आने पर मजबूर कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पूरे देश में एक अलग तरह के तटस्थ शासक के रूप में उभरी है। अपराधियों में मुख्यमंत्री की इस नीति को लेकर खौफ है। अब किसी भी घटना को अंजाम देने से पहले अपराधी और दंगाई 100 बार सोचने लगे है। यही कारण है कि रामनवमी जैसे पवित्र दिवस पर पश्चिम बंगाल, बिहार और दूसरे राज्यों में आगजनी और हिंसा हुईं की घटनाएं हुईं, लेकिन उत्तर प्रदेश में इस तरह की कोई वारदात नहीं हुई। योगी की कार्यशैली को लेकर पूरे देश में सियासी बहस छिड़ी है। माफिया अतीक के बेटे असद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर पर ओवैसी और अखिलेश यादव धर्म और मजहब का तड़का लगा रहे हैं। निश्चित रूप से सवाल उठाना विपक्ष का राजनीतिक धर्म है। लेकिन अपराध और माफिया को राजनीतिक संरक्षण देना कहां की नीति है। धर्म और जाति को हम वोट बैंक का सहारा कब तक बनाएंगे। प्रयागराज में बसपा विधायक रहे राजूपाल की हत्या के चश्मदीद गवाह उमेश पाल की फरवरी के अंतिम सप्ताह में हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पूरे प्रदेश में सियासी माहौल गर्म हो गया। योगी सरकार पर लोग सवाल उठाने लगे। प्रदेश को माफिया मुक्त करने के दावे को हास्यापद बताया गया। कहा गया कि अतीक जैसे माफिया जेल में होने के बाद भी खुली सड़क पर निर्दोष लोगों की हत्या कर रहे हैं। पुलिस को भी निशाना बनाया जा रहा है। इस घटना में निर्दोष गनर भी हत्या के शिकार हुए। सरकार को बुलडोजर नीति और अपराध मुक्त प्रदेश को लेकर कठघरे में खड़ा किया जाने लगा। इस घटना को मुख्यमंत्री योगी ने बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने विधानसभा में ऐलान किया कि अपराधियों को मिट्टी में मिला देंगे। जब अतीक जैसे माफिया के खिलाफ सरकार एक्शन मोड में आ गई तो विपक्ष फिर वोट बैंक के डर से धर्म और मजहब की आड़ लेने लगा। उमेशपाल की हत्या पर जो समाजवादी पार्टी घड़ियाली आंसू बहा रहीं थी वहीं अतीक के खिलाफ कार्रवाई पर सियासी राग अलापने लगी। योगी की एनकाउंटर नीति पर सवाल उठाने वाले तो यहां तक कह रहे हैं कि क्या उत्तर प्रदेश में कानून और संविधान को खत्म कर देना चाहिए। ओवैसी सवाल उठा रहे हैं कि संविधान और कानून का क्या मतलब है। फिर अदालत और जज जैसे पद को खत्म कर दिया जाना चाहिए। अपराधियों को सजा देने के लिए अदालत और संविधान है। एनकाउंटर कहीं का इंसाफ नहीं है। ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून का एनकाउंटर किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी एनकाउंटर को फर्जी बताया है। उनकी निगाह में सही गलत का फैसला सत्ता नहीं करती। हम अखिलेश यादव और ओवैसी के बातों से बिल्कुल सहमत हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। फिर अतीक ने उमेशपाल की हत्या क्यों करवाई क्या ऐसा होना चाहिए था। अगर नहीं तो ओवैसी क्यों चुप थे। 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में 10713 से भी अधिक एनकाउंटर हुए हैं। पूरे देश में उत्तर प्रदेश शायद इस तरह का इकलौता प्रदेश है। एनकाउंटर में 183 से अधिक अपराधियों का सफाया हुआ। मेरठ पुलिस ने सबसे अधिक 3152 एनकाउंटर किए हैं। कुछ कथित समाजशात्री कहते हैं कि एनकाउंटर किसी समस्या का समाधान नहीं है। पर यह समाजशास्त्री अपराध और अपराधियों के राजनीतिक संरक्षणवादी नीति पर बिलकुल नहीं बोलते। सवाल यह भी उठता है कि ओवैसी को उस दौरान मजहब क्यों नहीं दिखता। उस दौरान संविधान की याद क्यों नहीं आती। उस दौरान मजहब कहां चला जाता है जब हैदराबाद में एक डॉक्टर बेटी से बलात्कार होता है। बाद में आरोपितों का एनकाउंटर कर दिया जाता है। उत्तर प्रदेश में 40 साल तक अतीक अहमद ने कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाया है। हजारों लोगों की जिंदगी वह तबाह कर चुका है। राजूपाल की हत्या के बाद खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए चश्मदीद गवाह उमेशपाल की प्रयागराज में हत्या करवा दी जाती है। अखिलेश और ओवैसी से पूछा जा सकता है कि उमेश और राजूपाल की हत्या के समय उन्होंने सवाल क्यों नहीं उठाया। उस समय उनका धर्म और मजहब क्यों नहीं जागा। संविधान और न्याय की बात कहां चली गई। योगी सरकार के एनकाउंटर पर सवाल उठाने वाले ऐसे लोग 40 साल तक अतीत के माफिया राज पर मौन धारण किए रहे। 100 से अधिक मुकदमों के बावजूद किसी अदालत की तरफ से उसे नोटिस तक नहीं दिया गया। योगी सरकार में पहली बार अतीक और उसके गुर्गों पर शिकंजा कसा तो धर्म और मजहब याद आने लगा। ऐसे लोग बताएंगे कि क्या अतीक जैसे माफिया का पांच-पांच बार विधायक और सांसद बनना क्या बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव था। इस बीच खुलासा हो रहा है कि उसके संबंध माफिया डॉन अबू सलेम और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई एवं लश्कर-ए-तैयबा से भी हैं। वैसे इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। यह जांच का विषय है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि अतीक के अपराध का साम्राज्य बहुत बड़ा था। उससे लोग डरते थे। योगी सरकार के पूर्व प्रदेश में जितनी भी सरकारें रहीं सभी ने माफिया को संरक्षण दिया। कई को माननीय बनवाया। सवाल उठाने सवाल उठाते रहें पर सबसे बड़ा सच यह है कि योगी सरकार की अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति से आम लोग खुश हैं।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

हिमाचल दिवस की समस्त प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। मेरी कामना है कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध इस राज्य के लोगों का जीवन सदैव समृद्ध और खुशहाल रहे।

(प्रधानमंत्री नेरंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

महाराष्ट्र के रायगढ़ में हुए बस हादसे में लोगों की मौत बेहद दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

धनबाद जिला में खुलेआम कोयला चोरी एवं व्यवसाय की जांच सीबीआई को करनी चाहिए, इसके लिए तथ्यपरक स्मार पत्र दूंगा। आउटसोर्सिंग एवं बंद पड़ी खदानों से अवैध खनन,खुलेआम अवैध परिवहन, भूली जैसी बीसीसीएल कालोनियों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध कोयला डिपो पर बीसीसीएल एवं ज़िला प्रशासन मौन क्यों?

(विधायक सरयू राय के ट्विटर अकाउंट से)

आयोग, आरक्षण और आंबेडकर

एक गोंडी मुहावरा है - 'बुच्च बुच्च आयाना कव्वीते पालकी रेंगिना'। इसका अर्थ होता है आगे-आगे होना किंतु अपने मूल विषय पर कुछ भी ध्यान न देना। रंगनाथ मिश्र आयोग पर यह मुहावरा सटीक बैठता है। रंगनाथ मिश्र आयोग के बाद मोदी सरकार ने केजी बालकृष्ण आयोग का गठन कर आरक्षण के दुरुपयोग को जांचने, मापने और थामने का संवेदनशील प्रयास किया है। रंगनाथ मिश्र आयोग के माध्यम से कांग्रेस और मनमोहन सरकार ने अपनी चिरकालिक तुष्टिकरण की नीति को ही आगे बढ़ाया है। साथ ही मुस्लिम समाज को भी बैसाखियों पर चलाने और आत्मनिर्भर न होने देकर उसे मात्र एक वोट बैंक बनाए रखने की अनैतिक राजनीति जारी रखी थी। केजी बालकृष्ण आयोग से आशा है कि वह बाबासाहेब की भावना के अनुरूप भारत में आरक्षण के अंतर्तत्व, अंतर्भाव व अंतरात्मा को बनाए रखने में सार्थक सिद्ध होगा। भाजपा एससी कोटे में दलित, मुस्लिम और दलित ईसाइयों को शामिल करने का सतत और स्पष्ट विरोध करती आई है। संविधान के अनुसार हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के चिह्नित लोगों को ही अनुसूचित जाति का दर्जा मिलता है। भाजपा का मानना है कि इससे धर्म परिवर्तन और तेजी से बढ़ेगा। मुस्लिम और ईसाई धर्म के लोग भी इस दर्जे की मांग कर रहे हैं। आरक्षण की व्यवस्था का लाभ उसके मूल हितग्राही को न मिलने से क्या स्थितियां बन रही हैं? आरक्षण का अधिकतम लाभ समाज के छद्म दलित, अवसरवादी दलित और अपने ही दलित समाज को उपेक्षा और हास्य की दृष्टि से देखने वाले तथाकथित दलितों को मिलने से दलित व जनजातीय समाज पर कितना विषाक्त प्रभाव पड़ रहा है या पड़ेगा ? इन दुष्प्रभावों को हमारा समाज प्रत्यक्ष देख रहा है। वस्तुतः आंबेडकर के कार्यों को, स्वप्नों को, सोच को यदि हम यथार्थ के धरातल पर उतारना चाहते हैं तो हमें उनके सम्पूर्ण विचार, लेखन और रचना संसार के मूल तत्व और सत्व को समझना होगा। आंबेडकर केवल आरक्षण नहीं अपितु आरक्षण के वैज्ञानिकीकरण, युक्तियुक्त करण और आरक्षण के सामयिकी करण के घोर पक्षधर थे। वह आरक्षण ही क्या जिसका लाभ सर्वाधिक दीन हीन हितग्राही को मिल न पाए और उसमें लीकेजेस इतने हो जाएं कि आंबेडकर का मूल विचार और लक्ष्य ही धराशायी हो जाए। कितनी बड़ी विडंबना है कि आज आरक्षण की अस्सी प्रतिशत सुविधाओं का लाभ ऐसे 20 प्रतिशत नकली अनुसूचित और अनुसूचित जनजातीय उठा रहें हैं जो लोभ लालच में इस देश से बाहर के धर्म में कन्वर्ट हो चुके हैं। ये लोग दलित समाज को मिलने वाले आरक्षण का शोषण और दोहन कर रहे हैं। ये लोग अपने समाज के अन्य लोगों से रोटी-बेटी का व्यवहार भी नहीं रखते। यह मतांतरित अनुसूचित जाति और जनजातीय लोग अपने ही लोगों के प्रति घृणा, निकृष्टता और हास्य व्यंग्य का भाव रखते हैं। यह 20 प्रतिशत कन्वर्टेड ईसाई और मुस्लिम अपने कॉकस से, चतुराई से, धन बल से व अपनी राजनीतिक शक्ति से आरक्षण की सुविधाओं को अपने कन्वर्टेड कुनबे तक सीमित किए रहते हैं। आज यदि बाबासाहेब जीवित होते तो विदेशी धर्म को अपनाने वाले इन लोगों की आरक्षण सुविधाएं तत्काल समाप्त कर देते। अब देश के नीति निर्धारकों को सोचना होगा की मुस्लिम समाज को ओबीसी आरक्षण दिया जाना कैसे उचित है? वस्तुतः ओबीसी आरक्षण का ताना बाना ही पिछड़ी हिंदू जातियों के उन्नयन के लिए बुना गया था। इस्लाम की ओर से सदैव कहा जाता है कि उनके धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है, यह भी कहा जाता है कि इस्लाम में हर मुसलमान बराबर है। जब उनमें जाति व्यवस्था ही नहीं है, सब बराबर हैं तो पिछड़ी जातियों को मिलने वाला आरक्षण उन्हें क्यों मिलना चाहिए?

मुझे कुछ कहना है...

गर्मी का मौसम शुरू होने के साथ ही राज्य में एक बार फिर बिजली संकट गहराने लगा है। गर्मी काफी तेजी से बढ़ रही है। इस स्थिति में बिजली की मांग बढ़ेगी। बिजली उत्पादन के लिए कोयला की जरूरत को पूरा करने कि दिशा में सभी कोयला कंपनियों को गंभीरता से काम करने की जरूरत है। कोल इंडिया के साथ कोयला उत्पादन करने वाली कंपनियों ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। मौजूदा समय में कोल इंडिया के पास 67.49 मिलियन टन कोयला का स्टाक है। कोल इंडिया को प्रत्येक दिन 330 रैक कोयला सप्लाई करने का लक्ष्य रखा है। इसमें कोयला कंपनियां 293 रैक तक कोयला सप्लाई कर पा रही है। 37 रैक कोयला लक्ष्य से पीछे क्यों रह जा रही है। इस पर भी समीक्षा करने की जरूरत है। शनिवार को कोल इंडिया व कोल कंपनियों की समीक्षा कोयला सचिव करेंगे। बताया जाता है कि इस बैठक में कोयला, उत्पादन, डिस्पैच व नए प्रोजेक्ट के प्लान रिपोर्ट में विचार विमर्श किया जाता है। जेबीसीसीआई के लागू होने से कोयला कंपनियों पर पड़ने वाले वित्त भार को कैसे संभाला जाए इस पर भी मंथन किया जाने की बात चर्चा में है। यह हुई आंकड़ों की बात। मूल मुद्दा यह है कि यह सभी जानते हैं कि गर्मी में बिजली की खपत बढ़ जाती है तो उस हिसाब से तैयारी क्यों नहीं की गई। मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन ने बिजली कटौती के मामले को गंभीरता से लिया हैं, उम्मीद की जानी चाहिए कि बिजली व्यवस्था में सुधार होगा।

ऋषभ आनंद, फाउंडर राइजअप।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पिछले तीन मैचों में हुई जमकर आलोचना के बाद हैरी ब्रूक का करारा जवाब

नई दिल्ली। हैरी ब्रूक की लगातार 3 मैचों में फ्लॉप होने के बाद जमकर आलोचना की गई। क्योंकि जिस प्राइस में उनको ऑक्शन के दौरान खरीदा गया था वह काफी मोटी रकम थी। ऐसे में फ्लॉप होने के बाद फैंस ने हैरी को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लेकिन शतक जड़ने के बाद ब्रूक ने अपने आलोचकों को मुंह तोड़ जवाब दिया है। उन्होंने मैच के बाद भारतीय फैंस को लेकर कहा` कि आप सोशल मीडिया पर जाते हैं और लोग आपके बारे में खराब बोल रहे होते हैं। बहुत सारे भारतीय फैंस हैं जो आज मेरी प्रशंसा करेंगे। लेकिन वे कुछ दिन पहले मेरी आलोचना कर रहे थे। खुशी है कि मैं उनका मुंह बंद कर पाया। आईपीएल 2023 का 19वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच बीते 14 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में सनराइजर्स ने मेजबान टीम को 23 रन से हराया। यह एक हाई स्कोरिंग मुकाबला रहा। वहीं आखिरकार सवा 13 करोड़ के हैरी ब्रूक का बल्ला हैदराबाद के लिए जमकर गरजा। उन्होंने 3 मैच में फ्लॉप होने के बाद केकेआर के खिलाफ चौथे मुकाबले में जबरदस्त शतक जड़ दिया।

अपने घरेलू मैदान में केकेआर के खिलाफ आज उतरेगी मुंबई इंडियंस

सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय

मुंबई ।

पूर्व चैम्पियन मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स रविवार को जब आमने सामने होगी। रोहित शर्मा की टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती केकेआर के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकने की होगी। मुंबई इंडियंस ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर हार का सिलसिला तोड़ा हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स को ईडन गार्डंस पर विशाल स्कोर वाले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया। पिछला मैच जीतने के बावजूद आईपीएल की सबसे कामयाब टीम मुंबई वानखेड़े स्टेडियम पर काफी दबाव में रहेगी। इस सत्र में अभी तक रोहित शर्मा की टीम अपने चिर परिचित अंदाज में नहीं दिखी है। दो जीत और दो हार के बाद केकेआर अंकतालिका में चौथे स्थान पर है और मुंबई की तुलना में उसका रनरेट बहुत अच्छा है। मुंबई के लिए कप्तान रोहित ने दिल्ली के खिलाफ 65 रन बनाए, लेकिन उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म लंबा हो रहा है। मुंबई को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की कमी खलेगी, जो पहला मैच खेलने के बाद फिर कोहनी की समस्या का शिकार हो गए हैं। इसके बाद तेज गेंदबाजी का जिम्मा जासन बेहरेनडोर्फ और रिले मेरेडिथ पर होगा जबकि पीयूष चावला पिछले मैच में तीन विकेट लेने के बाद उस फॉर्म को दोहराना चाहते हैं। मुंबई को युवा ब्रिगेड टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, तिलक वर्मा और ईशान किशन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। केकेआर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ चमत्कारिक जीत दर्ज की और सनराइजर्स के खिलाफ आखिरी गेंद तक किला लड़ाया। टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में पांच छक्के लगाने वाले रिंकू सिंह ने पिछले मैच में 58 रन बनाकर विरोधी टीमों की नींदे उड़ा दी है। उनके अलावा कप्तान नितिश राणा, वेंकटेश अय्यर, रहमानुल्लाह गुरबाज और शार्दुल ठाकुर ने भी रन बनाए हैं। केकेआर के लिए चिंता का सबब आंद्रे रसेल का खराब फॉर्म है। वह सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर भी पूरे नहीं कर सके और चोटिल हो गए लेकिन उन्होंने तीन विकेट लिए।

टीमें :

कोलकाता नाइट राइडर्स : नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन. जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड वीज, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास और मनदीप सिंह।

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस , तिलक वर्मा, ईशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरून ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहाल वढेरा, रितिक शोकीन, अर्शद खान, डुआन जेनसन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जैसन बेहरेनडोर्फ, आकाश मढवाल।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले फिट हो जाएंगे बुमराह

बीसीसीआई ने उम्मीद जाहिर की

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2023 का रोमांच इनदिनों चरम पर है। फैंस को एक के बाद एक जबरदस्त मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई आईपीएल का आंनद ले रहा है। वहीं फैंस के लिए एक खुशखबरी आई हैं। दरअसल, लंबे समय से चोटिल चल रहे जसप्रीत बुमराह की इंजरी पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने बड़ा अपडेट दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी और तेज तर्रार गेंदबाज बुमराह अपनी पीठ की चोट के चलते सितंबर 2022 से क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एशिया कप, आईसीसी टी20 वर्ल्डकप ओर अब आईपीएल 2023 भी छोड़ा है। हाल ही में बुमराह की पीठ की सर्जरी क्राइस्टचर्च में हुई है, जिसके बाद वह 6 माह के लिए बाहर हो गए हैं। हालांकि अब बीसीसीआई को उम्मीद है कि बुमराह आगामी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले फिट हो जाएंगे और विश्वकप में भारतीय टीम का हिस्सा बन जाएंगें। अगर ऐसा हुआ, तब यह भारतीय टीम और उनके फैंस के लिए एक बहुत ही अच्छी खबर होगी। टीम इंडिया की गेंदबाजी पिछले कुछ महीनों में बुमराह के बिना काफी साधारण लगी है। इसके बाद अगर जस्सी की वापसी होती है, तब एक बार फिर टीम इंडिया की गेंदबाजी पुरानी जैसी हो सकती है। वहीं एक सूत्र ने कहा है कि बुमराह वनडे वर्ल्ड कप तक फिट हो जाएंगे। बता दें कि बुमराह ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलते हुए 30 टेस्ट, 72 वनडे और 60 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान बुमराह ने टेस्ट में 128, वनडे में 121 और टी20 में 70 विकेट अपने नाम किए हैं।

प्रभसिमरन प्रदर्शन में निरंतरता लाने पर बनेगा मैच विजेता : हैडिन

मुम्बई ।

आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने टीम के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने में सफल रहे तो एक बेहतरीन खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। गुजरात के खिलाफ पिछले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये थे जबकि पहले मैच में उन्होंने शानदार पारी खेली थी। वो लगातार दूसरी बार शून्य पर आउट हुए। हैडिन ने कहा, वह टीम के लिए एक मैच विजेता बल्लेबाज हो सकता है। अब यह उसपर है कि कि वह अपनी जिम्मेदार समझे। प्रभासिमरन ने आईपीएल 2023 में चार मैचों में 83 रन बनाए हैं। हैडिन ने कहा, युवा लोग खराब समय से गुजरने वाले हैं। वे सीख रहे हैं कि हमने आरआर के खिलाफ क्यों और क्या देखा देखा। वह बेहद प्रतिभाशाली है। उसके पास मैदान के चारों ओर खेलने के लिए बहुत शॉट हैं और वह मैच विजेता हो सकता है। अब यह केवल उसपर आधारित है कि वह अपनी रफ्तार और अपनी भूमिका को समझे। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि प्रभसिमरन बहुत खतरनाक खिलाड़ी हो सकते हैं। अगर वह कुछ निरंतरता पा ले। यह सलामी बल्लेबाज पिछले दो मैचों में अपना खाता खोलने में विफल रहा है। इससे पहले उसने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार अर्धशतक लगाया था। उन्होंने कहा, हम उसे क्रिकेट की उस शैली में खेलने के लिए समर्थन देने जा रहे हैं जिसकी हमें पहले छह ओवरों में जरूरत है और यह एक उच्च जोखिम वाला खेल होगा। हम कुछ अच्छे और खराब प्रदर्शन देखने जा रहे हैं। वहीं अगर वह कुछ निरंतरता पा सकता है, तो वह बहुत खतरनाक खिलाड़ी होगा।

विजयलक्ष्मी सैनी ने इंटरनेशनल जूडो में जीता गोल्ड

जूडो खेल के साथ-साथ शतरंज में भी महारत

सहारनपुर ।

सोनामाजरा गांव निवासी डॉ.करण पाल सिंह सैनी की पुत्री विजयलक्ष्मी सैनी ने जूडो प्रतियोगिता में मेडल जीतकर जनपद का नाम रोशन किया है। विजयलक्ष्मी ने गुवाहटी में आयोजित इंटरनेशनल ऑल स्पोर्ट्स गेम्स फेडरेशन की जूडो चैंपियनशिप में ब्लैक बेल्ट के साथ गोल्ड मैडल जीत कर जनपद के लिए एक नया आयाम स्थापित किया। डॉ.सैनी व उनका परिवार बेटी की इस उपलब्धि पर बेहद खुश है।

डॉ.सैनी ने बताया कि विजय लक्ष्मी इसके पहले रोहणी में आयोजित जूडो इंटरनेशनल चैंपियनशिप इंडो नेपाल में गोल्ड पदक जीत चुकी है। विजय लक्ष्मी ने जुडो खेल में दो गोल्ड मेडल हासिल कर जनपद क्षेत्र ही नही बल्कि देश का नाम भी रोशन कर चुकी हैं। गोल्ड मेडलिस्ट के पिता डॉ. सैनी ने बताया कि 7 अप्रैल से तीसरी अंतरराष्ट्रीय गेम्स-2023 प्रतियोगिता गुवाहाटी में आयोजित हुई, जिसमे देशभर के कई खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में विजयलक्ष्मी ने शनदार खेल का प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल हासिल किया।

विजयलक्ष्मी ने जूडो खेल के साथ-साथ शतरंज में भी महारथ हासिल कर रखी है। वह विगत वर्षों में शतरंज प्रतियोगिता में भी सिल्वर पदक जीत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी है। वर्तमान में विजयलक्ष्मी इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी पेट्रोलियम में अध्ययन कर रही है। विजयलक्ष्मी ने अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता व जूडो कोच श्वेतांक चौहान को दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह का प्रदर्शन कर जनपद व देश का नाम रोशन करेगी। विजयलक्ष्मी ने बताया कि दसवीं कक्षा से ही मेरा सपना था कि मुझे जुडो में इंटरनेशनल स्तर पर गोल्ड मेडल जीत कर ब्लाक बेल्ट हासिल करना है। उन्होंने बताया कि इसके लिए मैंने दिन-रात लगन व मेहनत के साथ जुडो का अभ्यास किया।

विजयलक्ष्मी ने कहा कि यदि आप मन से कोई लक्ष्य बना लेते हैं, तब आपको निश्चित तौर पर सफलता मिलती है। विजयलक्ष्मी ने बताया कि लड़कियों को प्राथमिक तौर पर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ-साथ लड़कियों को जिस खेल में भी रूचि हो, उस खेल के क्षेत्र में एक लक्ष्य निर्धारित करके मेहनत करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

आजम के 100 वें टी20 मैच का जश्न न्यूजीलैंड को हराकर मनाया

लाहौर । पाकिस्तान ने अपने कप्तान बाबर आजम के 100वें टी20 मैच का जश्न पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 88 रन से हराकर मनाया। तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 18 रन देकर चार विकेट झटके। न्यूजीलैंड की टीम चार ओवर बाकी रहते 94 रन पर ही ढ़ेर हो गई। न्यूजीलैंड के आखिरी पांच विकेट 6 रन के भीतर गिरे। इसके पहले पाकिस्तान ने 182 रन बनाए। युवा बल्लेबाज साइम अयूब और फखर जमां दोनों ने 47 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान से श्रृंखला 1-2 से हारने के बाद पाकिस्तान ने इस श्रृंखला में अपनी पूरी मजबूत टीम उतारी है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम में उसके आठ प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं, जो आईपीएल खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड इस दौरे पर पांच टी20 और पांच वनडे खेलेगी। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने टुकड़ों में हैट्रिक ली। उन्होंने अपने तीसरे ओवर की आखिरी दो गेंदों पर शादाब खान और इफ्तिखार अहमद को आउट किया। वहीं अगले ओवर की पहली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी को डीप में डेरिल मिशेल के हाथों लपकवाया।

14वीं बार गोल्डन डक का शिकार बने सुनील नेरन

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 का रोमांच हर दिन बढ़ रहा है। अभी तक कुल 19 मुकाबले हो चुके है, जिसमें सभी टीमें शानदार प्रदर्शन करती दिख रही है। दिल्ली कैपिल्स को सीजन की एक भी जीत अभी तक नसीब नहीं हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायटंस ने अपने 3-3 मुकाबले जीत लिए है। 14 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद ने केकेआर टीम को 23 रन से मात देकर सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। इस मैच में सुनील नरेन एक बार फिर गोल्डन डक का शिकार बने। बता दें कि आईपीएल इतिहास में सुनील का गोल्डन डक के साथ काफी गहरा नाता रहा है। आईपीएल इतिहास में उन खिलाड़ियों के बारे में जो सबसे ज्यादा बार गोल्डन डक का शिकार हुए है। लिस्ट में पहले नंबर पर है, मनदीप सिंह का नाम, जिन्होंने साल 2010-2023 तक कुल 110 मैच खेलकर 1694 रन बनाए है, लेकिन उनका नाम आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार गोल्डन डक का शिकार होने में शामिल है। मनदीप कुल 15 बार शून्य पर आउट हुए है। वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, आरसीबी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। वहीं लिस्ट में दूसरे नंबर पर है सुनील नरेल का नाम, जो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 14 अप्रैल को हुए मुकाबले में गोल्डन डक का शिकार हुए। आईपीएल इतिहास में सुनील कुल 14 बार शून्य पर पवेलियन लौटे है। साल 2012-2023 से लेकर सनील ने कुल 152 मैच खेलते हुए 1032 रन बनाए है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर दिनेश कार्तिक का नाम है, जो आईपीएल में कुल 14 बार गोल्डन डक का शिकार हुए है। कार्तिक दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात लायनंस, पंजाब किंग्स, केकेआर, मुंबई इंडियंस और आरसीबी का हिस्सा रह चुके है।

हारिस रउफ की गेंदबाजी के सामने ढेर हुए कीवी खिलाड़ी

लौहार ।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैंच 14 अप्रैल को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया। मैच में मेजबान टीम पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी। मैच में हारिस रउफ ने कमाल का प्रदर्शन मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम किया। वहीं, मैट हेनरी ने भी इस मैच में हैट्रिक ली, लेकिन उनकी ये हैट्रिक कीवी टीम के काम नहीं आ सकी।

पहले बल्लेबाजी कर पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 8 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कप्तान बाबर आजम 9 रन की सस्ती पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इन दोनों विकेट के बाद फखर जमान और सैयम अयूब ने टीम की पारी को संभाल और दोनों बल्लेबाजों ने 47 रन बनाए। इसके अलावा फहीम अशरफ ने 22, तब हारिस ने 11 रन बनाए। कीवी टीम की तरफ से सर्वाधिक 3 विकेट मैट हेनरी ने लिए जबकि ऐडम मिने और बेंजामिन लिस्टर को 2-2 सफलता मिली।

इसके बाद 183 रन का पीछा कर न्यूजीलैंड टीम के बल्लेबाज फ्लॉप रहे। पाकिस्तान टीम की गेंदबाजी कमाल की रही, जिन्होंने न्यूजीलैंड को महज 94 रन के स्कोर पर ही ऑल आउट कर 88 रन के बड़े अंतरात से मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज हारिस रउफ रहे जिन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा इमाद वसीम ने भी 2 विकेट झटके। जबकि शाहीन अफरीदी, जमान खान और फहीम अशरफ को भी 1-1 सफलता मिली। वहीं, कीवी टीम की तरफ से मार्क चैपमैन ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए।

ग्लेन मैक्सवेल का हौसला बढ़ने ऑस्ट्रेलिया से भारत पहुंचे चार दोस्त

बेंगलुरू । रॉयल चैलेंजर्स बेंगुलुरु के हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल के बचपन के चार दोस्त उनकी हौसलाअफजाई करने ऑस्ट्रेलिया से भारत पहुंचे हैं। आरसीबी ने अभी तक तीन में से महज एक मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीता है और दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। मैक्सवेल ने मुंबई के खिलाफ 12, केकेआर के खिलाफ पांच और लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 59 रन बनाए। इसके बाद उम्मीद है कि दोस्तों के आने से उनका मनोबल बढ़ेगा और वह अपने तथा टीम के अभियान को ढर्रे पर ला सकते हैं। उन्होंने कहा, 'आरसीबी के साथ पिछले दो साल शानदार रहे हैं और दोस्तों के आने से मजा और भी बढ़ जाएगा। आरसीबी के खिलाड़ियों में जबर्दस्त तालमेल है और हमें पता है कि तस्वीर बदलेगी। उन्होंने कहा, 'अपने दोस्तों का यहां होना वाकई बहुत खास है। उम्मीद है कि हमें आगे कामयाबी मिलेगी और आरसीबी अंकतालिका में ऊपर जाएगी। मैक्सवेल के दोस्त एंथोनी डेविस मैकनिकल किसान हैं, ब्रेंडन और नाथन वाल्श स्कूल में शिक्षक हैं और आरोन डेनियल्स इलेक्ट्रिशियन हैं। मैक्सवेल ने कहा, 'मैं बहुत रोमांचित हूं। इन सभी के सामने अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। उनका यहां आना मेरे लिए खास है। ब्रेंडन ने कहा, 'हमें बचपन से पता था कि ग्लेन खास है। वह काफी प्रतिभाशाली है और उसमें सकारात्मकता भरी हुई है। हम बचपन से काफी करीब हैं।

बीसीसीआई सचिव का खुलासा, दीवाली पर होगी म हिला प्री मियर लीग

मुंबई । बीसीसीआई से चिव ने दीवाली के दौरान मे हिला प्री मियर लीग होने का खुलासा किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) अगले संस्करण से 'होम-अवे' प्रारूप में बड़ी 'विंडो' के साथ संभवतः दिवाली के दौरान खेली जाएगी। टूर्नामेंट का शुरुआती चरण मुंबई में दो स्थलों में चार से 26 मार्च तक खेला गया था। शाह ने मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि हम डब्ल्यूपीएल को 'होम एंड अवे' प्रारूप में दिवाली विंडो में मतलब साल में दो सत्र में नहीं बल्कि एक अलग टाइम विंडो में शेड्यूल करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। महिला क्रिकेट के पास अब दर्शकों का 'बेस' है और यह संख्या केवल बढ़ती रहेगी क्योंकि हम अगले डब्ल्यूपीएल में ज्यादा से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद कर रहे हैं। बीसीसीआई के से चिव जय शाह ने पहले स्पष्ट कर दिया था कि भारत एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभावित प्रतिस्थापन स्थल पर अन्य देशों से प्रतिक्रिया मांगी गई है। शाह ने कहा कि हम 2023 एशिया कप के आयोजन स्थल को अंतिम रूप देने और भारत-पाकिस्तान मैच पर स्पष्टता के लिए अन्य देशों से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि जय शाह के नेतृत्व में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने 2.62 करोड़ अमेरिकी डालर की कमाई की है। उन्होंने कहा` कि हमने एसीसी के लिए अतिरिक्त राजस्व हासिल करने और आय के नए रास्ते बनाने में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। विश्व कप के कार्यक्रम पर शाह ने कहा कि टूर्नामेंट से पहले सभी मौजूदा बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया जाएगा।

आज रॉयल्स के खिलाफ चौथी जीत दर्ज कर शीर्ष पर काबिज होने उतरेगी टाइटंस

अहमदाबाद ।

पिछले मैच में पंजाब किंग्स पर रोमांचक जीत दर्ज करने के बाद गुजरात टाइटंस का सामना रविवार को राजस्थान रॉयल्स से होगा तब हार्दिक पंड्या की टीम का इरादा अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज होने का रहेगा। अभी तक पंड्या की टाइटंस ने संजू सैमसन की अगुवाई वाली रॉयल्स के खिलाफ तीनों मैच जीते हैं, लिहाजा मनोवैज्ञानिक रूप से उसका पलड़ा भारी होगा।टाइटंस ने आईपीएल 2022 में पदार्पण करते हुए फाइनल में 11 गेंद बाकी रहते सात विकेट से जीत दर्ज की थी। फिलहाल टीम छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल्स के भी छह अंक हैं, लेकिन नेट रनरेट के आधार पर तीनों टीमें अलग अलग पायदान पर हैं। रॉयल्स और टाइटंस बल्लेबाजी और गेंदबाजी के मामले में बराबरी की टीमें हैं, लेकिन पिछले साल इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिली तीन जीत से टाइटंस के हौसले बुलंद हैं। दूसरी ओर रॉयल्स इस सिलसिले को तोड़ने को बेताब होगी। दोनों टीमों के कोर खिलाड़ी लगभग वहीं हैं और नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर दबाव का बेहतर सामना करने वाली टीम ही विजयी होगी।

रॉयल्स के पास शीर्ष क्रम में यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और सैमसन हैं, जिन्होंने पावरप्ले का बखूबी इस्तेमाल किया है। बटलर का पावरप्ले में स्ट्राइक रेट 196.6 है। वहीं जायसवाल का पावरप्ले के ओवरों में स्ट्राइक रेट 184 है। देवदत्त पड्डिकल, रविचंद्रन अश्विन, शिमरोन हेटमायेर और जैसन होल्डर के रहते रॉयल्स के बल्लेबाजी क्रम में काफी गहराई है।

वहीं गेंदबाजी में उनका इकॉनामी रेट अब तक 7.3 रहा है, जो बेहतरीन कहा जा सकता है। उसके शीर्ष तीन स्पिनरों एडम जाम्पा, अश्विन और युजवेंद्र चहल ने चेन्नई के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। अब देखना होगा कि चेन्नई पर तीन रन से मिली जीत के बाद क्या वहीं गेंदबाजी संयोजन फिर उतारा जाता है। रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स को बड़े अंतर से हराया लेकिन चेन्नई के खिलाफ जीत करीबी रही। अब उनके सामने टाइटंस के रूप में इस सत्र की सबसे कठिन चुनौती है। जहां टाइटंस के पास पंड्या, डेविड मिलर, शुभमन गिल, साई सुदर्शन , विजय शंकर और मोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं। शंकर ने केकेआर के खिलाफ 24 गेंद में 63 रन बनाए थे, लेकिन रिंकू सिंह ने आखिरी ओवर में यश दयाल को पांच छक्के जड़कर केकेआर को चमत्कारिक जीत दिलाई। इसके बाद टाइटंस ने दयाल की जगह पंजाब के खिलाफ 34 वर्ष के मोहित को उतारा जिन्होंने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए और टीम को जीत दिलाई।

दोनों पैरों में फैक्चर, 18 माह क्रिकेट रहे दूर रहे निकोलस

लखनऊ । निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में है। उन्होंने अब तक आईपीएल में लखनऊ के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरन ने हाल में ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 19 गेंदों में सिर्फ 62 रनों की पारी खेली थी। मैदान पर जमकर चौकों-छक्कों की बौछार लगाने वाले पूरन को एक बार डॉक्टर ने खेल छोड़ने तक की सलाह देती थी। इस दौरान उनकी गर्लफ्रेंड ने उनका साथ दिया था। साल 2015 में निकोलस पूरन 19 साल के थे। इस छोटी उम्र में उनका एक्सीडेंट हो गया था। एक्सीडेंट में उनका दोनों पैर फ्रैक्चर हो गया था। इस एक्सीडेंट के बाद डॉक्टर ने पूरन से कहा था कि आपको क्रिकेट छोड़ देना चाहिए। वह करीब 18 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहे थे। उस समय निकोलस पूरन एलिसा के साथ रिलेशनशिप में थे। पूरन ने साल 2020 में एलिसा के मिगुएल से शादी रचाई थी। वह काफी लंबे समय से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। करीब 2 साल पहले पूरन ने सोशल मीडिया पर वाइफ के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए एक प्रेरक पोस्ट लिखा था। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, इस लाइफ में जीसस ने मुझे काफी कुछ दिया है, लेकिन तुम्हारे (वाइफ) आने से बड़ी कोई और चीज नहीं हो सकती। मिस्टर एंड मिसेज पूरन का वेलकम है। दुनिया भर के क्रिकेट फैंस ने पूरन को बधाईयां भी थी। एलिसा अक्सर पूरन का सपोर्ट करने स्टेडियम में आती है। पूरन अभी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 4 मैचों में 47 के औसत से 141 रन बना डाले हैं। उनका स्ट्राइक रेट करीब 220 का रहा है। हाल में ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ इस धाकड़ ने ताबड़तोड़ पारी खेली थी। उन्होंने 19 गेंदों में 62 रन बनाए थे और 15 गेंदों में ही शानदार फिफ्टी ठोकने का करनामा किया था।

दुल्हन के लुक में नजर आयी अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी

अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी को पूरी तरह से देसी दुल्हन के अवतार में देखा गया जिसने सभी को हैरान कर दिया। जब ट्रेंडी लुक्स की बात आती है, तो जॉर्जिया एंड्रियानी हर बार अपना जादू चलाने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार नेटिज़न्स की नज़र जिस चीज़ पर पड़ी, वह है जॉर्जिया का नया लुक। एक तस्वीर में इस अभिनेत्री ने एक लाल रंग के दुल्हन का जोड़ा पहना है जिसमें जॉर्जिया में बेहद खूबसूरत लग रही है और कपड़ों से भी ज्यादा जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया वह इस अभिनेत्री ने पहनी हुए ज्वेलरी थी जो जौहर बाय हाउस ऑफ डायमंड्स के लेटेस्ट कलेक्शन में से थी। अभिनेत्री ने एक भारी हीरे, मोती और कीमती डायमंड के स्टोन्स का हार पहना था जिसमें प्रेसियस स्टोन से बने डायमंड के झुमके और मांगटीका भी पहना है। जॉर्जिया ने अपने लुक को डायमंड ब्रेसलेट और डायमंड की रिंग के सात पहना जो वाकई में एक बेहद खूबसूरत लग रहा था। इसमें हर एक पीस को एकदम बारीकी से डिज़ाइन किया गया यह जो काफी निखर के दिख रहा है और जॉर्जिया पर यह पूरा लुक बेहद सुन्दर लग रहा है। जॉर्जिया ने अपने बालों को एक स्लीक बन में स्टाइल किया और अपनी आंखों को बोल्ड रखा साथ में ब्लश्डऔर न्यूड लिपस्टिक के साथ ग्लैमरस मेकअप लुक को पूरा किया। हर कोई जॉर्जिया की खूबसूरती का कायल हैं। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी एक ऐसी एक्ट्रेस है जिसने अपनी मेहनत और लगन से सभी के दिलो में अपनी एक अलग जगह बना ली है। जॉर्जिया अपने सभी फैंस को अपने पर्सनल और प्रोफोशनल लाइफ से अपडेट रखने में कभी पीछे नहीं रहती।

अक्टूबर में प्रदर्शित होगी लियो

दक्षिण भारत के सुपर सितारे थलापति विजय की फिल्म लियो प्रदर्शन से पूर्व ही 400 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने में सफल हो चुकी है। इस आंकड़े को देखकर कहा जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित होगी। लोकेश कनगराज की इस फिल्म को पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किया जाएगा। लियो पहली ऐसी तमिल फिल्म है, जिसने महज प्री-सेल से 400 करोड़ रुपये कमाए, इंडस्ट्री के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया। बता दें कि फिल्म लियो को लोकेश कनगराज निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म अक्टूबर में प्रदर्शित होने की तैयारी में है

थलापति विजय की पिछली फिल्म वारिसु को भी पैन इंडिया प्रदर्शित किया गया था। हिन्दी भाषा में इसने बेहतरीन कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी।अपने प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाने जाने वाले प्रशंसित फिल्म निर्देशक लोकेश कनगराज विक्रम की सफलता के बाद, कनगराज अब एक गैंगस्टर ब्रह्मांड के निर्माण पर काम कर रहे हैं, जिसमें भारतीय फिल्म उद्योग, विशेष रूप से तमिल फिल्म उद्योग के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल हैं। उनकी नवीनतम फिल्म लियो ने घोषणा के साथ ही फिल्मी हल्कों में हलचल पैदा कर दी है। यह घरेलू बाजार में वर्ष की सबसे लोकप्रिय फिल्म बन गई है। मुख्य भूमिका में थलपति विजय और प्रतिपक्षी के रूप में संजय दत्त नजर आने वाले हैं।प्राप्त समाचारों के अनुसार फार्स फिल्म्स ने लियो के विदेशी वितरण अधिकार हासिल कर लिए हैं। बताया गया है कि यह डील 60 करोड़ रुपये में फाइनल हुई है, जो किसी भी तमिल फिल्म के लिए अब तक का बड़ा रिकॉर्ड है। इसके अलावा फिल्म के घरेलू वितरण अधिकार 110 करोड़ में बेचे गए हैं।

नेटफ्लिक्स ने फिल्म के स्ट्रीमिंग राइट्स 120 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। जिसमें तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ शामिल हैं। विदेशी अधिकार 50 करोड़ रुपये की उच्च मांग में हैं, जबकि तमिलनाडु अधिकारों की कीमत 75 करोड़ रुपये है। केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए मांग मूल्य 35 करोड़ रुपये है, और शेष भारत के लिए 15 करोड़ रुपये की राशि आंकी गई है।

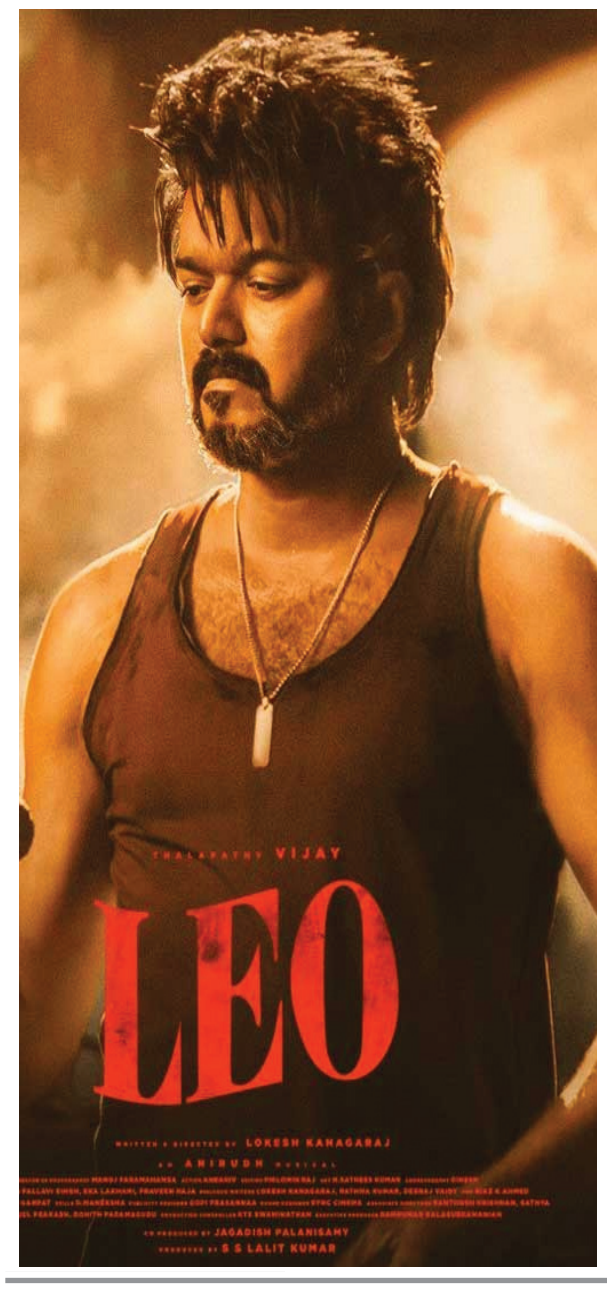

एक्शन-थ्रिलर, वॉर 2 सीक्वल में नजर आयेंगे जूनियर एनटीआर

स्पाई एक्शन-थ्रिलर, वॉर 2 के लिए दक्षिण के अभिनेता जूनियर एनटीआर को साइन किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी करेंगे। अयान मुखर्जी ने बॉलीवुड में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है, जिसमें उनकी आखिरी रिलीज ब्रह्मास्त्र भी शामिल है।

आदित्य चोपड़ा का यह कदम वॉर 2 को एक हिंदी फिल्म के लिए सबसे व्यापक दर्शकों की अपील करने में सक्षम बनाता है और यह फिल्म की बॉक्स ऑफिस क्षमता को भी बढ़ाता है। जूनियर एनटीआर साउथ इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित और फॉलो किए जाने वाले आइकन में से एक हैं। वह अपनी फिल्मों को काफी सोच-विचार के बाद चुनते हैं। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने फिल्म को हामी भर दी है, तो इसका मतलब है कि वॉर 2 प्लॉट के साथ-साथ स्केल के मामले में भी पहली फिल्म को पीछे छोड़ रही है।

ऋतिक रोशन बनाम जूनियर एनटीआर का याद रखने वाला एक्शन सीन होगा। जूनियर एनटीआर के शामिल होने से प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। एक सूत्र के अनुसार जूनियर एनटीआर ऋतिक के साथ वॉर 2 में भिड़ेंगे। उन्होंने कहा, उनका एक्शन और उनका परफॉर्मेंस निश्चित रूप से बड़े पर्दे पर याद रखने वाला होगा। वॉर पूरी तरह से भारतीय फिल्म है।

सलमान की किसी का भाई किसी की जान विवादों में फंसी

बालीवुड अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर विवादों में आ गये हैं। यह फिल्म 21 अप्रैल के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन इसके हालिया ट्रैक येंतम्मा ने कुछ बदनाम कारणों से नेटिजन्स का ध्यान खींचा है। कुछ दिनों पहले रिलीज हुई येंतम्मा में दक्षिण सनसनी राम चरण ने दबंग खान, वेंकटेश और पूजा हेगड़े के साथ थिरकते हुए देखा था। इसे विशाल ददलानी और पायल ने गाया है, जबकि संगीत पायल देव ने दिया है। लेकिन दक्षिण के प्रशंसकों के साथ जो अच्छा नहीं हुआ वह अभिनेता के डांस स्टेप्स हैं। गाने के ऑनलाइन होने के तुरंत बाद, दक्षिण के प्रशंसकों ने सलमान खान के येंतम्मा गाने पर आपत्ति जताई और उनके कदमों को अश्लील कहा। उसी पर प्रतिक्रिया देते हुए, पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने ट्विटर पर गाने की आलोचना की। उन्होंने लिखा, यह बेहद हास्यास्पद है और हमारी दक्षिण भारतीय संस्कृति को नीचा दिखाने वाला है। यह लुंगी नहीं, धोती है। एक शास्त्रीय पोशाक जिसे घृणित तरीके से दिखाया जा रहा है। आजकल लोग पैसों के लिए कुछ भी कर जाते हैं।

क्या वे शोध नहीं करेंगे कि लुंगी और धोती क्या है। भले ही यह एक सेट है, इसे एक मंदिर के रूप में पेश किया जा रहा है। फिल्म से जुड़े लोगों को यह समझना चाहिए कि मंदिर परिसर के अंदर जूते-चप्पल नहीं होने चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, यह किस तरह का कदम है?

पारंपरिक पहनावे में इस तरह के अश्लील डांस मूव्स देखकर बहुत गुस्सा आता है।

ट्रॉलर्स के निशाने पर रहते हैं ये न्यासा, सुहाना सहित ये उभरते सितारे

बॉलीवुड में स्टार किड्स हमेशा से आकर्षण का केन्द्र बने रहते हैं। न्यासा देवगन, सुहाना खान, अनन्या पांडे, जाह्नवी कपूर और सारा अली खान की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं। पिछले कुछ सालों में नेपोटिज्म की वजह से इन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ी है। हाल में ही अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन क्रिसमस पार्टी की वजह से ट्रोलर्स के निशाने पर थे। इसके अलावा स्टार किड्स को अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल की वजह से भी ट्रॉलर्स का सामना करना पड़ता है।

न्यासा देवगन: काजोल की लाडली बेटी न्यासा देवगन ने क्रिसमस के मौके पर खुशी कपूर और जाह्नवी कपूर जैसे स्टार किड्स के साथ पार्टी की। इस पार्टी में न्यासा का लुक देखने लायक था। हालांकि, ट्रोलर्स ने पार्टी के वीडियो आने पर न्यासा के रंग को लेकर कठिर बातें की। न्यासा को उनके रिवीलिंग कपड़ों को लेकर भी फटकारा गया। इसके अलावा कुछ लोगों ने उनके नशे में होने के आरोप भी लगा दिए।

सुहाना खान: शाहरुख खान की बेटी होने के कारण सुहाना खान निशाने पर रहती है। सुहाना ने अभी बॉलीवुड डेब्यू नहीं किया है लेकिन उनकी आने वाली फिल्म का फैंस को इंतजार हैं। सुहाना को अक्सर उनकी स्किन टोन की वजह से ट्रोल किया जाता है। उनके कलर को लेकर अक्सर ट्रोल्स ने उन्हें अपशब्द भी कह डालते हैं। सुहाना ने एक बार ट्रोल्स से तंग आकर अपनी भावनाओं को जाहिर किया था कि ट्रोलिंग से क्या असर पड़ता है।

अनन्या पांडे: चंकी पांडेय और भावना की बेटी अनन्या पांडे ने साल 2019 में बॉलीवुड डेब्यू किया। वो 'स्टूडेंट्स ऑफ ईयर 2', गहराईयां और लाइगर सहित 5 फिल्में कर चुकी हैं। अगले साल उनकी और दो फिल्में आने वाली है। अनन्या को अक्सर उनकी एक्टिंग, लाइफ स्टाइल और आईक्यू को लेकर ट्रोल किया जाता है।

जाह्नवी- खुशी कपूर: श्री देवी और बोनी कपूर की बेटीजाह्नवी और खुशी कपूर अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं। अक्सर दोनों के लुक्स की तुलना फैंस उनकी दिवंगत मां से किया जाता है। दोनों बहने अपने आउटफिट्स और बोल्ड लुक्स के लिए फेमस हैं। जाह्नवी ने चार साल पहले बॉलीवुड डेब्यू किया है लेकिन अदाकारी में उन्हें फैंस से ज्यादा सराहना नहीं मिली है।

आयरा खान: आमिर खान की बेटी आयरा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसी साल उन्होंने 25वें बर्थडे पर पूल पार्टी

का आयोजन किया और बिकिनी में केट काटा। इसकी वजह से वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं। पिछले महीने उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से सगाई की। सगाई के मौके पर उन्होंने रेड ऑफ शोल्डर गाउन पहनीं थी। उनके ड्रेस पर ट्रोल्स ने जमकर कमेंट किया. हालांकि, इरा को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। वह कई बार ट्रोल्स को सोशल मीडिया पर जबरदस्त जवाब देती रहती हैं।